वैशाख, पक्ष - शुक्ल, तिथि - तृतीया, संवत 2082 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-9, 30 अप्रैल - 6 मई, 2025 मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- पृष्ठ : 8+2

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

# जागरूक जनता

ऊँ भास्कराय विग्रहे महातेजाय धीमहि, तन्नो सूर्य प्रचोदयात्   ऊँ ह्रीं ह्रीं सूर्याय, सहस्त्र किरणाय मनोवांछित फलं देहि देहि स्वाहा

भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव अक्षय तृतीया का समस्त देशवासियों को शुभकामनायें

## मोदी जी! कश्मीर जैसे हालात नहीं बन जाए पश्चिमी बंगाल में हिन्दुओं के लिए!

सटीक

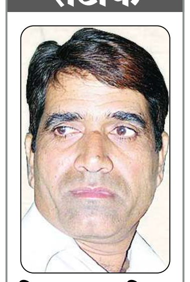

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

**समय** अपने आपको दोहराता है ऐसा सुनते आए हैं। मगर पिछले दिनों वक्फ बोर्ड संशोधन कानून का विरोध करने के नाम पर पश्चिमी बंगाल में जो हिंसा हिन्दुओं के खिलाफ हुई है वह बहुत ही दर्दनाक और दिल को हिला देने वाली है। जिस तरह सुनियोजित तरीके से मुर्शिदाबाद और 24 परगना में हिन्दुओं के घरों को चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। वह दिल दहला देने के लिए काफी है। घर और दुकानों को जला दिया गया। हिन्दुओं के घरों से पुरुषों का अपहरण कर लिया गया। उन्हें छोड़ने के बदले में महिलाओं से उनकी आबरू मांगी गई। ये वाकई में आत्मा को झकझोर देने वाली है। आप अंदाजा लगाइये बहशी दरिंदों ने हिन्दुओं के घरों को चुन-चुन कर निशाना बनाया। सामान लूटकर घरों को आग के हवाले कर दिया गया। उनके घर में भरे हुए पानी एवं बाहर लगे नलकूप (हैंड पंपों) तक को तोड़ दिया गया ताकि आग बुझाने के लिए पानी भी उपलब्ध नहीं हो सके। ये शांति दूतों की कौनसी मानसिकता है। ये परिस्थिति के मारे लोग अपने घर-बार और जमीन जायदादों को छोड़ कर अपने बच्चों के साथ मालदा और झारखंड की ओर पलायन करने को मजबूर हो गए। ऐसे में जिम्मेदारी पश्चिमी बंगाल सरकार की है कि ऐसे उपद्रवी आततायियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करे, मगर उसे तो सिर्फ और सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करनी है। इसलिए आरोप-प्रत्यारोप लगाना शुरू कर दिए। कितना कुत्सित षड्यंत्र दिखाई देने लगा है वहां पीने के पानी में जहर मिलाने तक की खबरें समाचारों में पढ़ने और देखने को मिली। ये सामूहिक नहसंहार की योजना नहीं तो और क्या है। इसी दौरान वक्फ बिल संशोधन के नाम पर बंगाल से बाहर भी देश के कई शहरों में प्रदर्शन हुए। मध्य प्रदेश के गुना में भी हिंसक प्रदर्शन हुए। ऐसे घृणित और कुत्सित इरादों से पीड़ित हिन्दु पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं। इन घटनाओं से वर्ष 1989-90 के दिन याद आने लग जाते हैं जब कश्मीर से गिन-गिन कर हिन्दुओं के घरों में आगजनी और महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं हुई। पुरुषों की हत्याएं होने लगी और आखिरकार इन घटनाओं के कारण वहां के अल्पसंख्यक हिन्दू घाटी छोड़ने को मजबूर हो गए। वे आज तक अपने घरों को लौट नहीं पाए हैं। क्या आने वाले समय में पश्चिम बंगाल में भी ऐसे ही दिन देखने को मिलेंगे। जो विपक्ष और शांति दूत फिलिस्तीनी नागरिकों के लिए सड़कों पर उतरे वे लोग देश के हिन्दू नागरिकों के लिए क्यों नहीं सड़कों पर उतरे। क्यों नहीं अल्पसंख्यक-अल्पसंख्यक चिल्लाने वाले पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश के हिन्दुओं के लिए आवाज उठाते। इस समय केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक राष्ट्रवादी और मजबूत सरकार है। इस सरकार से सभी देशप्रेमियों को उम्मीद है कि शीघ्र ही पश्चिम बंगाल में कोई ठोस कदम उठाकर जहरीले नागों से वहां की त्रस्त जनता को निडर होकर रहने की व्यवस्था करे। वरना जिस तरह आज कश्मीर में उस समय की वीपी सिंह सरकार को कोसा जाता है और विभिन्न दलों पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए जाते हैं। उसी प्रकार इस समय की केन्द्र सरकार पर भी लगेंगे। इसलिए समय रहते कठोर कदम उठाकर वहां की पीड़ित जनता को शांति पूर्वक अपने घरों में वापसी करा देनी चाहिए। भले ही पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन ही क्यों न लगाना पड़े। वरना ये काला अध्याय वर्तमान केन्द्र सरकार के माथे भी मढ़ा जाएगा। फिलहाल बांग्लादेश, पश्चिम बंगाल के डरावने दृश्य आंखों से ओझल भी नहीं हुए कि ये कश्मीर का नर संहार सामने आ गया। देखो क्या-क्या हो रहा है हिन्दुओं के साथ। देखते जाओ। देखने के अलावा और है भी क्या?

shivdayalmishra@gmail.com

## सेना को खूली छूट

# मोदी ने की हाई लेवल मीटिंग

### रक्षा मंत्री, एनएसए और तीनों सेनाओं के प्रमुख रहें मौजूद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**नई दिल्ली।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाई लेवल मीटिंग की। इस मीटिंग में रक्षा मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, सीडीएस और तीनों सेनाओं के प्रमुख मौजद रहें। बैठक में पीएम मोदी ने सेना को खुली छूट दी है कि पाकिस्तान के खिलाफ वो जो चाहे फैसले ले सकती है। यह बैठक पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद बुलाई गई, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी। इस हमले के बाद केंद्र सरकार ने कड़े कदम उठाने के संकेत दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमले के पीछे के आतंकवादियों और उनके संरक्षकों को पृथ्वी के छोर तक खदेड़ने और उन्हें कठोरतम सजा देने की कसम खाई है, जो स्पष्ट रूप से पाकिस्तान की ओर इशारा है, जिसका भारत में आतंकवादी हमलों को प्रायोजित करने का इतिहास रहा है।

### आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर रणनीतिक चर्चा

**बैठक** में आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर रणनीति पर चर्चा की गई। सूत्रों के अनुसार, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इससे पहले सोमवार को प्रधानमंत्री से 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित उनके आवास पर मुलाकात की थी। इस दौरान CDS जनरल अनिल चौहान ने रक्षा मंत्री को हमले के बाद उठाए गए कुछ अहम निर्णयों की जानकारी दी थी।

### आतंकी हमले के बाद सरकार ने बुलाई थी सर्वदलीय बैठक

**पहलगाम** आतंकी हमले के बाद सरकार ने एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई थी, जिसमें सभी विपक्षी दलों ने सरकार को आतंकवाद के खिलाफ उठाए जाने वाले हर कदम में पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया। कैबिनेट की सुरक्षा मामलों की समिति (ष्टष्टस्) की बैठक भी इस हमले के तुरंत बाद बुलाई गई। इस बैठक में हमले के पीछे सीमा पार की साजिशों का खुलासा किया गया।

## देश के अगले CJI होंगे जस्टिस बीआर गवई, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**नई दिल्ली।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जस्टिस बी.आर. गवई को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में मंजूरी दे दी है। जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई (बीआर गवई) 14 मई, 2025 को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। बता दें कि इससे पहले वर्तमान चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना ने उनके नाम की सिफारिश की थी। सीजेआई संजीव खन्ना का कार्यकाल 13 मई को खत्म हो रहा है। बीआर गवई पद संभालने के 6 महीने बाद तक सीजेआई रहेंगे और नवंबर 2025 में रिटायर होंगे। जस्टिस बीआर गवई मूल रूप से महाराष्ट्र के अमरावती जिले के रहने वाले हैं। गवई के करियर के उल्लेखनीय फैसलों में जम्मू कश्मीर के अनुच्छेद 370 को हटाना और इसे दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित करना शामिल हैं। बीआर गवई जस्टिस केजी बालकृष्ण के बाद दूसरे मुख्य न्यायाधीश होंगे, जो दलित समुदाय से आते हैं, जिन्होंने साल 2007 से 2010 तक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया था।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करेंः-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

### रास्ते खुले, चेहरे खिले और कुछ इस तरह ग्रामीणों के लिए वरदान बन गया रास्ता खोलो अभियान

# साढ़े पांच महीनों में खुले एक हजार से अधिक रास्ते

**अभियान के तहत महज हर सप्ताह हर तहसील में खोले जा रहे तीन रास्ते, लाखों ग्रामीणों की राहें हुई आसान**

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिले में रास्ता खालो अभियान का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। विगत साढ़े पांच महीनों में अभियान के तहत जयपुर जिले में एक हजार से अधिक रास्ते खोल कर लाखों ग्रामीणों को राहत प्रदान की गई है। अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अभियान के नोडल अधिकारी देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में प्रत्येक तहसील में हर सप्ताह 3 रास्ते खुलवाए जा रहे हैं। रास्ता खोलो अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं अधिक से अधिक आमजन को लाभांवित करने के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं अभियान की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत विगत एक सप्ताह में जयपुर जिले के समस्त तहसीलों में बरसों से बंद 41 रास्ते खुलवाए गए। अभियान के तहत जिला प्रशासन ने समझाइश एवं सहमति से महज साढ़े 5 महीनों में गांवों, खेतों और ढाणियों के बरसों से बंद पड़े एक हजार 18 रास्ते खुलवाने में कामयाबी हासिल की है।

नोडल अधिकारी देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि 15 नवंबर 2024 से 27 अप्रैल 2025 तक अभियान के तहत जिले में फागी तहसील में सर्वाधिक 84 रास्ते खुलवाए गए हैं। जिनमें से 44 रास्तों पर ग्रेवल सड़क बनाये जाने का कार्य जारी है। वहीं, 2 रास्तों पर ब्लॉक सड़क का निमार्ण कार्य जारी है। वहीं, अभियान के तहत जयपुर तहसील में 4 रास्ते, कालवाड़ तहसील में 8 रास्ते, आमेर तहसील में 59 रास्ते, जमवारामगढ़ तहसील में 47 रास्ते, आंधी तहसील में 49 रास्ते, बस्सी तहसील में 51 रास्ते, तूंगा तहसील में 42 रास्ते खुलवाए गए। वहीं, शाहपुरा तहसील में 64 रास्ते, जोबनेर तहसील में 62 रास्ते, किशनगढ़-रेनवाल तहसील में 51 रास्ते, फुलेरा तहसील में 56 रास्ते, रामपुरा-डाबड़ी तहसील में 42 रास्ते, जालसू तहसील में 33 रास्ते, चौमूं तहसील में 68 रास्ते, सांगानेर तहसील में 21 रास्ते खुलवाए गए। उन्होंने ने बताया कि चाकसू तहसील में 61 रास्ते, कोटखावदा तहसील में 41 रास्ते, माधोराजपुरा तहसील में 57 रास्ते, दूदू तहसील में 55 रास्ते एवं मौजमाबाद तहसील में 63 रास्ते खुलवाए गए। उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को रास्ता खोलो अभियान के तहत बंद रास्ते खुलवाए जाने के पश्चात खोले गए रास्तों पर ग्रेवेल, सी.सी. रोड़ बनवाये जाने की कार्यवाही भी जल्द से जल्द अमल में लाने के निर्देश दिये हैं, इन निर्देशों की अनुपालना में अधिकांश स्थानों पर ग्रेवल रोड बनाने की कार्यवाही भी आरंभ की जा चुकी है। वहीं, जिन रास्तों के वाद न्यायालय में विचाराधीन है परिवादियों द्वारा संबंधित न्यायालय से ही अनुतोष प्राप्त किया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों की भूमि पर अतिक्रमण को लेकर जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में परिवाद प्राप्त होते हैं। रास्तों को लेकर न्यायालय में भी वाद दायर किए जाते रहते हैं। ऐसे प्रकरणों में निरन्तर बढ़ोतरी होने से आमजन को न्यायालय के चक्कर लगाने एवं जन-धन की हानि होने के साथ-साथ क्षेत्र की कानून व्यवस्था भी प्रभावित होती है। इसलिए प्रशासन ने रास्ते सम्बन्धी समस्याओं के निराकरण के लिए 'रास्ता खोलो अभियान' चलाने का निर्णय लिया गया।

## रिदिम का आईएएस में चयन होने पर शुभकामनाओं का दौर जारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** जयपुर के रिदम कटारिया (जैन) का भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन होने पर परिवारजन एवं शुभचिंतक और दोस्तों में उन्हें बधाई देने एवं शुभकामनाएं देने का ताँता लगा हुआ है। उनके गांधीनगर स्थित आवास पर युवा नेता कुलदीप सिंह बैंसला ने पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दी। रिदम कटारिया पूर्व में असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर सलेक्ट हो चुके हैं। जारी हुए रिज़ल्ट में उनकी 370वीं रैंक आई है। उनकी माताजी शिल्पी शाह शिक्षिका है। रिदम कटारिया ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता साथ ही उन्होंने बहुत मुश्किल परिस्थितियों में यहाँ का सफ़र तय किया है। वे लॉ ग्रेजुएट है उसके बाद उन्होंने दिल्ली से भारतीय प्रशासनिक सेवा की परीक्षा की तैयारियों की और यह उनका दूसरा प्रयास था।

## हरिओम जन सेवा समिति ने मां अन्नपूर्णा भंडारा स्थल पर वाटर कूलर लगाया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी की प्रेरणा से माताजी स्व. श्रीमती रमाकांता सोमानी की पुण्य स्मृति पर हरिओम जन सेवा समिति ने रोड नंबर 5 स्थित मां अन्नपूर्णा भंडारा स्थल पर वाटर कूलर लगाया। जिसका शुभारंभ भाजपा जयपुर शहर अध्यक्ष अमित गोयल व किन्नर समाज प्रमुख खुशबू बाई ने किया। इस दौरान लघु उद्योग भारती सरना ईकाई के अध्यक्ष सुमेर सिंह शेखावत समिति अध्यक्ष पंकज गोयल, राधेश्याम अग्रवाल, डॉ अरुण अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, जयंत कुमावत, पार्षद सुरेश जांगिड़, संदीप शर्मा सहित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

### ब्राह्मणों के अग्रणी 21 संगठनों के अध्यक्ष व पदाधिकारी और अन्य प्रमुख ब्राह्मण हस्तियां हुई शामिल

# भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर 70 किमी लम्बी शोभा यात्रा में 108 कारे पहुंची

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** ब्रह्म शक्ति विचार मंच (ब्राह्मणों के प्रमुख 21 संगठनों का साझा मंच) के बैनर तले विशाल कार रैली राम निवास बाग से शुरू हुई जिसको घनश्याम तिवाड़ी सांसद राज्य सभा ने रैली का भगवान परशुराम का पूजन कर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विधायक बालमुकुंदाचार्य ने उनके विधानसभा क्षेत्र ब्रहमपुरी थाने के सामने रथ यात्रा में भगवान परशुराम को माल्यार्पण कर यात्रा का स्वागत और अगुवाई की। इसके बाद यात्रा आमेर कूकस अचरोल होते हुए चंदवाजी पहुंची जहाँ ब्राह्मण समाज और ग्रामीणों ने यात्रा का स्वागत किया। वहाँ से रैली मानपुर पहुंची जहाँ बजरंग लाल शर्मा के साथ बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज और ग्रामीणों ने रथ यात्रा का स्वागत किया। रूण्डल ग्राम में भी ओम प्रकाश और ग्रामीणों ने शोभा यात्रा का स्वागत किया। शोभा यात्रा यज्ञ स्थल भगवान परशुराम मदिर पहुंची, जहाँ क्षेत्रीय विधायक प्रशांत शर्मा ने शोभा यात्रा का स्वागत किया। सभी ने भगवान परशुराम की आरती की एवं 108 कुण्डीय यज्ञ की परिक्रमा की और प्रसादी ग्रहण की। सोबर के महासचिव इंजी आर सी शर्मा ने बताया कि उक्त सांसद और विधायकों के अलावा शोभा यात्रा में झारखण्ड के 7 बार विधायक और मंत्री रहे ब्राह्मण नेता सत्यनारायण शर्मा, सोबर के अध्यक्ष डॉ शिव गौतम, सोबर के महासचिव और ब्रह्म शक्ति विचार मंच के ग्रुप संचालक इंजी आर सी शर्मा विप्र फाऊंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील ओझा, ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, हरियाणा गौड ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरदी चंद शर्मा, राजस्थान गौड ब्राह्मण महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष नटवरलाल शर्मा, परशुराम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी, विप्र महा सभा के सस्थांपक, सुनील उदेईया, पुष्करणा ब्राह्मण महा सभा के राष्ट्रीय संरक्षक आइ ए एस श्याम सुन्दर विस्सा, विप्र फाऊंडेशन के जोन1के अध्यक्ष कर्नल राजेश शर्मा सोबर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूर्व आइ पी एस जी एल शर्मा संस्कृति भारती के अध्यक्ष हरी शंकर भारद्वाज, गूर्जर गौड महा सभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राधे श्याम शर्मा, सोबर के डायरेक्टर सुशील पारीक पूर्व आइ आर एस, डॉ सुशील दोतोलिया पुजारी महासंघ के अध्यक्ष कमलेश शर्मा, सोबर संयुक्त मंत्री धर्मेश गौतम और अनेक संगठनों के अध्यक्ष और पदाधिकारी ने भाग लिया।

## 841 पाक अल्पसंख्यक नागरिकों ने किया एलटीवी के लिए आवेदन

**जयपुर @ जागरूक जनता।** विभिन्न वीजा लेकर राजस्थान प्रवास पर आए 841 पाक अल्पसंख्यक नागरिकों ने लंबी अवधि का वीजा (एलटीवी) के लिए आवेदन किया हैं। पुलिस के आधिकारिक सूत्रों ने पुलिस मुख्यालय की सूचना के अनुसार मंगलवार को यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले के बाद केन्द्र सरकार द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को वापस पाकिस्तान भेजने के निर्णय के बाद हाल में गत दिनों में वीजा पर आए 109 पाकिस्तानी नागरिकों को राजस्थान से वापस पाकिस्तान भेजा जा चुका है।

# आवारा गायों व अवैध डेयरी संचालन से आमजन परेशान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** मोती डूंगरी रोड एवं आसपास के क्षेत्र जैसे विजय पथ, तिलक नगर आदि रास्तों पर छोड़ी गई गायों की भारी समस्या के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है। कानून की दृष्टि से अवैध डेयरी संचालन करने वाले पशुपालक गायों का दूध निकालकर उन्हें आम रास्तों पर छोड़ देते हैं और ये गायें इधर-उधर घूमती रहती हैं जिसके कारण चारों तरफ गोबर और गंदगी फैलजाती है। तिलक नगर मनवाजी का बाग, मोती डूंगरी रोड, विजय पथ तथा आसपास के लोग इस समस्या से बहुत परेशान हैं। दूसरी तरफ प्रातः स्कूल जाने वाले बच्चों के वाहन तथा ऑफिस और रोजमर्रा के काम से जाने वाले लोगों को लगातार दुर्घटना का खतरा बना रहता है। आवारा पशुओं के कारण पूर्व में कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। ऐसे में मनवाजी का बाग आवासीय विकास समिति नगर निगम से मांग करती है कि ऐसे आवारा घूमने वाले पशुओं को पकड़कर इन्हें यहां से हटाए और आमजन को इस समस्या से मुक्ति दिलाए।

## श्री सैनजी महाराज के जन्मोत्सव पर निकाली कलश-शोभायात्रा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** संत शिरोमणि श्री सैनजी महाराज के जन्मोत्सव पर शुक्रवार 25 अप्रैल को जयपुर के झालाना डूंगरी स्थित हनुमान जी मंदिर, सैन कॉलोनी में जयपुर, जोधपुर, पाली, नागौर सहित पूरे मारवाड़ क्षेत्र के सैन समाज द्वारा भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शुक्रवार को बड़ी संख्या में झालाना क्षेत्र में सेन जी महाराज की शोभायात्रा और कलश यात्रा को निकल गई। शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में कलश लिए महिलाओं के साथ रथ में सैन जी महाराज की तस्वीर के साथ झालाना क्षेत्र में शोभायात्रा निकाली गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ एवं नगर निगम ग्रेटर चैयरमेन लक्ष्मण सिंह नूनीवाल, भाजपा राजपार्क मंडल अध्यक्ष राजेश शर्मा ने शोभायात्रा में श्रीसैन जी महाराज का पूजन किया।

## सेरेब्रल पाल्सी से ग्रसित दिव्यांग बच्चों हेतु निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** दिव्यांगता मुक्त भारत" के संकल्प को साकार करते हुए शारदा शिक्षा एवं विकास समिति द्वारा जयपुर के इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान सभागार में रेयर डिजीज की निःशुल्क OPD एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल, मुंबई के वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित चिकित्सकों द्वारा सेरेब्रल पाल्सी जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित बच्चों की जांच, उपचार तथा काउंसलिंग की गई। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, न्यायाधीश पंकज भंडारी, डॉ. गोपेश मंगल, विभागाध्यक्ष पंचकर्म विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर ने किया।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. तरल नागदा और उनकी विशेषज्ञ टीम ने बच्चों का परीक्षण कर उपचार संबंधी दिशा-निर्देश के विषय मे जानकारी दी। इस अवसर पर एक विशेष संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने सेरेब्रल पाल्सी जैसी गंभीर बीमारी के लक्षण, उपचार तथा रोकथाम के विषय में जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा समाज में इस विषय को लेकर जागरूकता बढ़ाना था।

### केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने अरेबियन ट्रैवल मार्केट में राजस्थान पर्यटन स्टैंड का किया उद्घाटन

# उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के निर्देशन में साकार हो रहा है प्रदेश का पर्यटन-शेखावत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत तथा दुबई में भारत के महावाणिज्यदूत श्री संतोष कुमार सिवन ने सोमवार को अरेबियन ट्रैवल मार्केट (एटीएम) में पहले दिन राजस्थान पर्यटन स्टैंड का उद्घाटन किया। शेखावत ने इस अवसर पर राजस्थान स्टैंड पर मीडिया से बातचीत में राजस्थान सरकार द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे बेहतरीन लग्जरी ट्रेन 'पैलेस ऑन व्हील्स' राजस्थान का गौरव है। उन्होंने बताया कि वे अगले सप्ताह जयपुर में आयोजित होने वाले जीआईटीबी में भी शामिल होंगे।

राजस्थान पर्यटन के अधिकारियों ने पहले दिन विभिन्न टूर ऑपरेटरों और मीडिया प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की और राजस्थान की उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी के निर्देशन में राज्य में पर्यटन के विकास के लिए की गई विविध पहल और विभिन्न पर्यटन उत्पादों और पैकेज के संबंध में जानकारी प्रदान की। राजस्थान पर्यटन द्वारा इस वर्ष अरेबियन ट्रैवल मार्ट में भागीदारी कर मिडल ईस्ट विशेषकर यूएई व इसके आसपास के देशों से आये ट्रैवल एजेंट्स के मध्य राजस्थान का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। इस अवसर पर राजस्थान पर्यटन के अतिरिक्त निदेशक आनंद त्रिपाठी और उप निदेशक संजय जौहरी भी मौजूद रहे। राज्य के ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के प्रतिनिधि ज्ञान प्रकाश और पैलेस ऑन व्हील्स के प्रबंधक दल और निजी क्षेत्र के टूर ऑपरेटर भी इवेंट में भाग ले रहे हैं।

### 240 करोड़ की लागत से जेडीए करेगा निर्माण

# सांगानेर फ्लाईओवर के पास बनेगा 4 लेन एलीवेटेड रोड

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

**जयपुर।** सांगोनर फ्लाईओवर से चौरडिया पेट्रोल पम्प और मालपुरा रोड पर लगने वाले जाम से राहत मिलने की उम्मीद है। इस हिस्से में जेडीए जुलाई से एलिवेटेड रोड बनाने का काम शुरू कर देगा। इसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) जेडीए ने तैयार करवा ली है। डीपीआर पर गौर करें तो जेडीए इस प्रोजेक्ट पर 240.03 करोड़ रुपए खर्च करेगा।

द्रव्यवती नदी स्थित सांगा सेतु के ऊपर स्टील ब्रिज का निर्माण प्रस्तावित किया गया है। सांगानेर फ्लाईओवर, स्टेडियम तिराहा और चौरडिया पेट्रोल पम्प तिराहे पर वाहनों का भारी दबाव रहता है। इस प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने के लिए जेडीए को 5100 वर्ग मीटर जमीन अवाप्त करनी होगी।

### ऐसे होगी राह आसान

**न्यू** सांगानेर ओवरब्रिज उतरने के साथ ही लोग एलिवेटेड रोड पर चढ़ जाएंगे और यहां से सीधे सांगानेर ओवर ब्रिज तक आ सकेंगे। सांगानेर फ्लाईओवर से जाने वाले वाहन मालपुरा गेट से आगे जाकर उतर सकेंगे।

### एक हिस्सा चार और दूसरा दो लेन का होगा

**सांगानेर** फ्लाईओवर से करीब 100 मीटर दूरी से एलिवेटेड रोड का काम होगा। चौरडिया पेट्रोल पम्प तक एलिवेटेड रोड जाएगी। तिराहे से एलिवेटेड रोड दो हिस्सों में बंट जाएगी। एक हिस्सा न्यू सांगानेर रोड स्थित ओवरब्रिज से पहले उतरेगा। ये पूरी एलिवेटेड रोड चार लेन की होगी। वहीं, पेट्रोल पंप से दूसरा हिस्सा (लेग) मालपुरा गेट से आगे जाकर उतरेगा। ये दो लेन की होगी।

मालपुरा गेट से फ्लाईओवर की तरफ एलिवेटेड रोड से जाने के लिए सुविधा नहीं होगी। मालपुरा गेट से पेट्रोल पंप और सांगानेर फ्लाई ओवर तक वाहन चालकों को मौजूदा सड़क से ही आना होगा।

मुख्यमंत्री एवं केन्द्रीय आवास, शहरी कार्य एवं विद्युत मंत्री ने ली ऊर्जा एवं नगरीय विकास विभाग की राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक

# विकसित राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति में केन्द्र का मिल रहा भरपूर सहयोग-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसमें ऊर्जा एवं नगरीय विकास विभाग की अहम भूमिका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बिजली तंत्र तथा शहरी बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए केन्द्र सरकार से राज्य सरकार को भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है। हमारी डबल इंजन की सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को सफलतापूर्वक धरातल पर उतार रही है, जिससे प्रदेश की 8 करोड़ जनता को लाभ मिल रहा हैं।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर केन्द्रीय आवास, शहरी कार्य एवं विद्युत मंत्री श्री मनोहर लाल के साथ ऊर्जा एवं नगरीय विकास विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केन्द्र और राज्य सरकार की संयुक्त परियोजनाओं को केन्द्र के साथ समन्वय बनाते हुए समयबद्ध रूप से पूरा करें। श्री शर्मा ने ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि हम राज्य के किसानों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली देने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे है। इस लक्ष्य को हासिल करने में पीएम कुसुम योजना की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत राज्य में कम समय में ही लगभग 800 मेगावाट के विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हुए हैं। श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति के लिए उत्पादन इकाइयों एवं प्रसारण तंत्रों का उचित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए।

### मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान छू रहा विकास की नई ऊंचाइयां

**केन्द्रीय** मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में खासतौर से अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य में बेहतरीन कार्य किया जा रहा है। पीएम कुसुम योजना तथा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में राज्य सरकार ने उल्लेखनीय प्रगति की है। केन्द्रीय मंत्री ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम द्वारा दिसम्बर माह तक 355 करोड़ रूपये से अधिक का लाभ अर्जित करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पीक ऑवर्स में उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य में पंप स्टोरेज एवं बैटरी स्टोरेज की क्षमता को तेजी से विकसित किया जाए।

### रबी सीजन के दौरान किसानों को हुई निर्बाध बिजली आपूर्ति

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बिजली तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा निरंतर सहयोग प्राप्त हो रहा है। पिछली राज्य सरकार की नीतियों की वजह से हमारी थर्मल इकाइयां कोयला आपूर्ति के संकट से जूझ रही थीं लेकिन केन्द्र सरकार के सहयोग से अब हमारे थर्मल बिजलीघरों के पास पर्याप्त मात्रा में कोयला उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि रबी सीजन के दौरान राज्य सरकार ने प्रदेश के किसानों को निर्बाध बिजली आपूर्ति की है। साथ ही, फरवरी से अब तक की पीक डिमांड 19 हजार 165 मेगावाट को भी पूरा किया गया है।

### पीएम सूर्य घर योजना से जुड़ें अधिक से अधिक उपभोक्ता

मनोहर लाल ने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में है। उन्होंने कहा कि योजना से प्रदूषण मुक्त एवं सस्ती ऊर्जा उपलब्ध हो रही है। केन्द्रीय मंत्री को जानकारी दी गई कि राज्य बजट 2025-26 में मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना के लाभान्वित परिवारों को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जोड़ते हुए 150 यूनिट बिजली निःशुल्क उपलब्ध कराने की घोषणा की गई है। केन्द्रीय विद्युत मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना कार्यों में गति लाते हुए अधिक से अधिक परिवारों को जोड़ा जाएं।

## मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अक्षय तृतीया पर शुभकामनाएं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अक्षय तृतीया (30 अप्रैल) की पावन तिथि पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। शर्मा ने कहा कि सनातन संस्कृति में अक्षय तृतीया को अत्यंत पुण्यदायी तिथि माना गया है। यह तिथि शुभ एवं मांगलिक कार्यों के लिए उत्तम मानी जाती है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि वे बाल-विवाह जैसी कुरीतियों व सामाजिक जड़ताओं को मिटाकर प्रगतिशील और नवचेतना युक्त समाज के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान दें, ताकि हमारा राष्ट्र और अधिक सशक्त बने।

## मानसून में बाढ़, जल भराव जैसी सम्भावित स्थिति से बचाव की तैयारियां को लेकर नई दिल्ली में उच्च स्तरीय कॉन्फ्रेंस 8-9 मई को

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** मानसून में देश के किसी न किसी हिस्से में बाढ़, जल भराव, बांध या नहरें टूटने की घटनाएं होती हैं। यदि समय रहते तैयारियां कर ली जाए तो ये घटनाएं काफी हद तक कम हो जाती है तथा ऐसी घटनाएं होने के बावजूद मानव व अन्य संसाधनों का नुकसान सीमित रखा जा सकता है। इसी बिन्दु को दृष्टिगत रखते हुए केन्द्रीय गृह मंत्रालय का आपदा प्रबंधन डिविजन आगामी 8 व 9 मई को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में वार्षिक सम्मेलन आयोजित कर रहा है जिसमें सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की आपदा प्रबंधन तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। राज्य के आपदा प्रबंधन, राहत और नागरिक सुरक्षा विभाग ने इसकी तैयारियों के लिए सभी जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों की शीघ्र बैठक आयोजित कर आईडीआरएन पोर्टल पर डेटा अपडेट करने तथा जिला आपदा प्रबंधन प्लान तैयार रखने के निर्देश दिए हैं।


## खोया-पाया

मेरा राजस्थान फार्मेसी काउन्सिल /ट्रिब्यूनल द्वारा जारी फामासिस्ट पंजीयन प्रमाण प्रत्र संख्या 46082 जारी दिनांक 19/11/2015 कही खो गया है, जो इस समय मैसर्स आस्था फार्मा, जवाई बांध रोड, सुमेरपुर पाली ड्रग लाइसेंस संख्या DRUG/2022-23/78 861-62 पर अंकित था, मिलने पर उक्त पते फ्रेण्ड्स कॉलोनी, सुमेरपुर पर पहुंचाने का श्रम करें।

**नाम - करण सिंह**
पता - सुमेरपुर फ्रेण्ड्स कॉलोनी
मो.- 8107727554


## कार्यालय नगरपालिका मण्डल तारानगर (चूरू) राजस्थान

क्रमांक :- न.पा.ता/आपत्ति सूचना/2024-25/321 दिनांक :- 28.04.2025

**आपत्ति सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि नगरपालिका क्षेत्र तारानगर के निम्नांकित भूखण्ड धारियो ने कृषि भूमि नियमन हेतु पत्रावलियां जमा करवायी गयी है अतः जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो, इस आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस मे सप्रमाण आपति इस कार्यालय मे प्रस्तुत करे। बाद अवधि प्राप्त आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

| क्र. सं. | आवेदक का नाम | वार्ड सं. | आवेदन संख्या | क्षेत्रफल (वर्गमीटर) | प्रयोजनार्थ |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | हाफिज अख्तर अब्दुल जब्बार पुत्र अब्दुल जब्बार | 19 | 2178 71 | 116.11 | कृषि भूमि नियमन |

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका तारानगर

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने की पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग की समीक्षा

# ... ताकि आने वाली पीढ़ियां हमारे इतिहास को समझें

**विकास कार्यों को समय पर करें पूरा, अधिकारियों की तय हो जिम्मेदार**

**पर्यटन क्षेत्र में युवाओं के कौशल व रोजगार के लिए करें कार्य**

**शेखावाटी की हवेलियों की विरासत का करें संरक्षण**

**तीर्थराज पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर कॉरिडोर को प्रमुख धार्मिक पर्यटन केन्द्र के रूप में किया जाए विकसित**

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन स्थलों पर विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित करने के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे राजस्थान की गौरवशाली विरासत के संरक्षण के कार्य सुनिश्चित करें ताकि आने वाली पीढ़ियां हमारे इतिहास को समझें, जानें और गौरवान्वित महसूस करें। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर पर्यटन, कला, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की बजट घोषणाओं पर आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यटन से संबंधित सभी विकास कार्य तय समय पर पूरे किए जाएं। समय पर कार्य पूरा नहीं होने से लागत में वृद्धि होती है जिससे राजस्व की हानि भी होती है। लम्बित कार्यों के लिए संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाए। बैठक में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

### जयपुर में बनाएं राज्य स्तरीय संग्रहालय

**शर्मा** ने पर्यटन विभाग को जयपुर में राज्य स्तरीय संग्रहालय बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संग्रहालय में राजस्थान के सभी क्षेत्रों की रियासतकालीन विरासत और बहुरंगी कला-संस्कृति को प्रदर्शित किया जाए ताकि किसी भी क्षेत्र से आने वाला आगन्तुक प्रदेश की धरोहर से रूबरू हो सके। मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शेखावाटी क्षेत्र की पुरानी हवेलियों के संरक्षण के लिए जरूरी कदम उठाएं। हवेलियों के स्थापत्य को नुकसान न हो और आवश्यकता पड़ने पर जीर्णोद्धार के कार्य भी करवाए जाएं। इस संबंध में संबंधित जिला कलक्टरों को निर्देशित किया जाए। शर्मा ने पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर सृजन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में कार्य करने के इच्छुक युवाओं का कौशल एवं रोजगार प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। श्री शर्मा ने राजीविका, हेन्डीक्राफ्ट, ज्वैलरी, ब्लॉक प्रिन्टिंग के समुचित प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर कॉरिडोर के कार्य की समीक्षा करते हुए कहा कि इसे प्रमुख धार्मिक पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जाए और पर्यटकों को विश्व स्तरीय सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। शर्मा ने पूंछरी का लौठा के विकास कार्यो में भी गति लाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने प्रदेश के बाहर स्थित मंदिरों के जीर्णोद्धार के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देशित किया।

### विमानन क्षेत्र को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार-शर्मा

**मुख्यमंत्री ने ली नागरिक उड्डयन विभाग की समीक्षा बैठक**

**जयपुर @ जागरूक जनता।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हवाई सुविधाओं का विस्तार करने के लिए राज्य सरकार ने दूरगामी निर्णय लिए हैं। इससे पर्यटन, शिक्षा एवं व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि होगी और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अपेक्षित गति मिलेगी। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर नागरिक उड्डयन विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक हवाई सुविधाएं उपलब्ध करने के क्रम में कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट महत्वपूर्ण साबित होगा। इस एयरपोर्ट के विकास के लिए राज्य सरकार एवं भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के मध्य एमओयू हो चुका है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की ईएचवी लाइन शिफ्टिंग और आरआरवीपीएनएल की लाइन शिफ्टिंग के कार्य में तेजी लाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर एयरपोर्ट पर बनने जा रहे स्टेट टर्मिनल पर विश्व स्तरीय सुविधाएं विकसित की जाएं। इसमें ग्रीन एरिया, पार्किंग, मीटिंग हॉल आदि के संबंध में विशेष योजना बनाकर कार्य किया जाए ताकि आगंतुकों को श्रेष्ठ सुविधाएं एवं सेवाएं सुनिश्चित हो सकें। उन्होंने कहा कि टर्मिनल की बिल्डिंग के स्थापत्य में जयपुर की विरासत की झलक मिले और आधुनिक सुविधाएं भी विकसित हो।

कांग्रेस की जयपुर में 'संविधान बचाओ रैली' आयोजित

# 'राजस्थान में कांग्रेस मजबूत है' जयपुर में नेताओं के बीच खरगे ने दिया ये 'मंत्र'

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

**जयपुर।** कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे राजधानी जयपुर में 'संविधान बचाओ रैली' में जमकर गरजे। इसके बाद कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी के बैठक के बाद खड़गे काफी उत्साहित नजर आए। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस के कामकाज को देखकर उन्होंने पार्टी की पीठ थपथपाई। उन्होंने बड़े बयान देते हुए कहा कि राजस्थान में कांग्रेस काफी मजबूत है। पार्टी की इस मजबूती से ही 'जयपुर से हमारा जय हो जाएगा।' खड़गे का यह बयान प्रदेश में आने वाले पंचायती राज और नगरीय निकाय चुनाव को लेकर जोड़ा जा रहा है।

### जयपुर से हमारी जय हो जाएगी- खड़गे

**संविधान** बचाओ रैली के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष ने एक दिवसीय दौरे में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में उन्होंने जिला अध्यक्षों के माध्यम से ब्लॉक, मंडल और जिला स्तर के संगठन को लेकर समीक्षा की। साथ ही जिला अध्यक्षों से आवश्यक जानकारियां भी ली। इसके अलावा प्रदेश में कांग्रेस की गोपनीय रणनीति को लेकर भी चर्चा की। बैठक के बाद खड़गे खुश नजर आए। उन्होंने राजस्थान कांग्रेस की पीठ थपथपाते हुए कहा कि कांग्रेस राजस्थान में अच्छा काम कर रही हैं। पार्टी की इस मजबूती से 'जयपुर से हमारा जय हो जाएगा'।

### कांग्रेस के नेताओं को अनुशासन का भी पाठ पढ़ाया

**पीसीसी** वार रूम में आयोजित बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे ने कांग्रेस के नेताओं को अनुशासन का सख्ती से पाठ पढ़ाया। इस दौरान उन्होंने कड़ा रुख दिखाते हुए साफ कहा कि पार्टी में अनुशासन सर्वोपरि है। उन्होंने चेतावनी दी है कि नेता बैठक के अंदर कुछ भी कहे, लेकिन बाहर जाकर बयान बाजी नहीं करें। अर्नगल बयान बाजी करने वाले नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कांग्रेस को एकजुट होकर पार्टी को आगामी चुनाव में मजबूती प्रदान करने को कहा है। इस दौरान राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट, पूर्व सीएम अशोक गहलोत, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी उपस्थित थे।

### खड़गे ने टोंक जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा को लगाई फटकार

**इस** दौरान बैठक में खड़गे और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पार्टी नेताओं को बूथ और मंडल स्तर पर कमेटियों के गठन के कार्यों की समीक्षा कर निर्देश भी दिए। इस दौरान टोंक जिलाध्यक्ष हरि प्रसाद बैरवा पर खड़गे का पारा उबाल पर दिखा। बैरवा निर्देशों के बाद भी बिना तैयारी बैठक में आए। इसको देखकर खड़गे ने बैरवा को जमकर फटकार लगाई। बैठक में जब बैरवा मंडल अध्यक्षों की सटीक जानकारी नहीं दे पाए, तो खड़गे ने नाराजगी जताते हुए कहा आप बिना तैयारी और जानकारी के बैठक में आ गए हैं। खड़गे का गुस्सा देखकर पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने बीच में हस्तक्षेप कर मामला संभालने की कोशिश की।


JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech

ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

**BULK SMS - Lowest Price**
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

**WEDDING INVITATION**
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

**START-UP PACKAGE**
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

**Digial Branding/Marketing**
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management

MSGJET | SchoolMaster SCHOOL Management System

**Corporate Branding/Identity**
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

**Financial Services:** Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan

WE ARE Google Partner | AdWords Analytics | Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

**INIDIA:** 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
**USA:** 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

## सम्पादकीय

# मानसून : अनुकूल परिदृश्य

वर्ष 2024 में मॉनसून का मौसम अनुकूल रहा था और दीर्घावधि के औसत की तुलना में 7.6 फीसदी अधिक वृद्धि देखने को मिली थी। भारतीय मौसम विभाग ने अपने मॉनसून संबंधी पूर्वानुमान में इस बार फिर अच्छी बारिश का अनुमान प्रस्तुत किया है। उसका अनुमान है कि 2025 में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून से होने वाली वर्षा सामान्य से करीब पांच फीसदी बेहतर रहेगी। भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र के ऊपर बने हालात तथा तटस्थ अल नीनो प्रभाव के बीच और ला नीना जैसी परिस्थितियां बनने के कारण अनुमान लगाया जा रहा है कि भारतीय उपमहाद्वीप के ऊपर मॉनसून का मजबूत प्रवाह निर्मित होगा। बहरहाल, मॉनसून का वितरण एकरूप होने की उम्मीद नहीं है। बिहार, तमिलनाडु तथा पूर्वोत्तर के कुछ क्षेत्रों में सामान्य से कम वर्षा होने की आशंका है। सिंचाई के रकबे में सुधार के बावजूद कृषि उत्पादन के लिए दक्षिण पश्चिम मॉनसून का बेहतर होना अहम है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी किए गए सकल घरेलू उत्पाद के दूसरे अग्रिम अनुमानों के मुताबिक कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में 2024-25 में 4.4 फीसदी की वृद्धि दर रह सकती है जबकि 2023-24 में वह 2.7 फीसदी थी। औसत से अधिक वर्षा होने के कारण इस वर्ष भी समग्र वृद्धि को बल मिलने की उम्मीद है। अच्छा मॉनसून रबी की फसलों के लिए भी बेहतर साबित होगा क्योंकि नमी बढ़ेगी और जलाशयों में अधिक पानी रहेगा। गत वर्ष हुई अधिशेष बारिश के कारण 2024-25 के कृषि उत्पादन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा और गत वर्ष की तुलना में खरीफ तथा रबी का खाद्यान्न उत्पादन क्रमशः 7.9 फीसदी और 6 फीसदी बढ़ने का अनुमान है। इससे खाद्यान्न कीमतों को नियंत्रित रखने में भी मदद मिली। तथ्य तो यह भी है कि ताजा आंकड़ों के मुताबिक देश की खुदरा मुद्रास्फीति की दर मार्च में 3.34 फीसदी रही जो फरवरी के 3.61 फीसदी से थोड़ी अधिक थी। यह अगस्त 2019 के बाद की सबसे निचली दर है। इस बीच खाद्य मुद्रास्फीति की दर जिसने हेडलाइन मुद्रास्फीति दर को ऊंचे स्तर पर रखा था वह फरवरी के 3.75 फीसदी से कम होकर मार्च में 2.69 फीसदी रह गई। यह नवंबर 2021 के बाद का सबसे निचला स्तर था। अच्छे मॉनसून से खाद्यान्न कीमतें नियंत्रित रहेंगी। इससे मौद्रिक नीति समिति के पास गुंजाइश बढ़ेगी। बहरहाल, वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ी हुई अनिश्चितता को भी ध्यान में रखना होगा। रिजर्व बैंक को उम्मीद है कि मुद्रास्फीति की दर चालू वित्त वर्ष में औसतन चार फीसदी रहेगी। मध्यम अवधि के नीतिगत नजरिये से देखें तो सामान्य से बेहतर बारिश का अनुमान होने के बावजूद जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से नजर नहीं हटानी चाहिए। अतिरंजित मौसम की घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। 2024 में देश भर में 365 दिनों में 322 ऐसी घटनाएं घटीं। रिजर्व बैंक ने भी 2022-23 की अपनी करेंसी और फाइनैंस संबंधी रिपोर्ट में मॉनसून की अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन के दीर्घकालिक प्रभावों के बारे में बातचीत की। अत्यधिक तपिश, मॉनसून की अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन, ये तीनों मिलकर देश की अर्थव्यवस्था पर असर डालेंगे और सकल घरेलू उत्पाद में इनके कारण दो फीसदी तक की कमी आ सकती है। इसके चलते 2050 तक देश की आधी आबादी का जीवन स्तर भी प्रभावित होगा। अगर इससे निपटने के लिए बहुकोणीय नीति नहीं अपनाई गई तो ऐसी घटनाओं का प्रभाव और बढ़ेगा। इस वर्ष मॉनसून के अनुकूल रहने का लाभ लेते हुए जलाशयों को भरा जाना चाहिए। इसके साथ ही दीर्घकालिक नीतियों में भी जल संरक्षण को प्राथमिकता देनी चाहिए तथा टिकाऊ कृषि व्यवहार को अपनाना चाहिए।

# आस्था, परंपरा और अध्यात्म का संगम अक्षय तृतीया

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

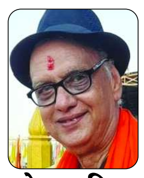

नगेन्द्र वशिष्ठ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

**अक्षय तृतीय हिन्दू पंचाग अनुसार वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को कहते है। माना जाता है कि इस दिन जो भी कार्य किए जाते हैं वे पूरी तरह सफल होते हैं एवं शुभ कार्यों को अक्षय फल मिलता है।**

अक्षय तृतीया महापर्व का न केवल सनातन परम्परा में बल्कि जैन परम्परा में विशेष महत्व है। इसका लौकिक और लोकोत्तर-दोनों ही दृष्टियों में महत्व है। अक्षय शब्द का अर्थ है कभी न खत्म होने वाला। संस्कृत में, अक्षय शब्द का अर्थ है 'समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता', जबकि तृतीया का अर्थ है 'चंद्रमा का तीसरा चरण'। इस त्यौहार के साथ-साथ एक अबूझा मांगलिक एवं शुभ दिन भी है, जब बिना किसी मुहूर्त के विवाह एवं मांगलिक कार्य किये जा सकते हैं। विभिन्न सांस्कृतिक एवं मांगलिक ढांचों में ढले अक्षय तृतीया पर्व में हिन्दू-जैन धर्म, संस्कृति एवं परम्पराओं का अनूठा संगम है। इस प्रकार अक्षय तृतीया पर किए गए कार्यों जैसे जप-तप, यज्ञ, पितृ-तर्पण, दान-पुण्य आदि का साधक को अक्षय फल प्राप्त होता है। भगवान आदिनाथ ने ही सबसे पहले समाज में दान का महत्व समझाया था, इसलिए इस दिन पर जैन धर्म के लोग आहार दान, ज्ञान दान, औषधि दान करते हैं। रास्ते चाहे कितने ही भिन्न हों पर इस पर्व त्यौहार के प्रति सभी जाति, वर्ग, वर्ण, सम्प्रदाय और धर्मों का आदर-भाव अभिन्नता में एकता का प्रिय संदेश दे रहा है। आज के युद्ध, आतंक, आर्थिक प्रतिस्पर्धा एवं अशांति के समय में संयम एवं तप की अक्षय परम्परा को जन-जन की जीवनशैली बनाने की जरूरत है।

आज अक्षय तृतीया है। भगवान परशुराम का जन्म अक्षय तृतीया के दिन हुआ था, इसलिये भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम का जन्मदिन मानते हैं। वैष्णव मंदिरों में उनकी पूजा की जाती है। महर्षि वेदव्यास ने इसी दिन से महाभारत लिखना शुरू किया था। अक्षय तृतीया के दिन महाभारत के युधिष्ठिर को अक्षय पात्र मिला था। इसकी विशेषता थी कि इसमें भोजन कभी समाप्त नहीं होता था। इसी पात्र से वह अपने राज्य के गरीब व निर्धन को भोजन देकर उनकी सहायता करते थे। इसी आधार पर मान्यता है कि इस दिन किए जाने वाला दान-पुण्य का भी कभी क्षय नहीं होता है। इस दिन साधु-संतों के साथ ब्राह्मणों-गरीबों को भोजन कराकर व वस्त्र दान करने के साथ गायों को हरा चारा खिलाने का विशेष महत्व है। वहीं पक्षियों को परिंडे लगाकर दाने-पानी की व्यवस्था करने से विशेष लाभ मिलता है और भगवान श्री विष्णु की कृपा अपने भक्तों पर हमेशा बनी रहती है। अक्षय तृतीया विवाहित या

अविवाहित महिलाओं के लिए क्षेत्रीय रूप से महत्वपूर्ण है, जो अपने जीवन में पुरुषों की भलाई के लिए या भविष्य में उनकी सगाई होने वाले पुरुष के लिए प्रार्थना करती हैं। प्रार्थना के बाद, वे अंकुरित चने (अंकुरित), ताजे फल और भारतीय मिठाइयां वितरित करते हैं। यह दिन किसानों, कुंभकारों एवं शिल्पकारों के लिए भी यह बहुत महत्व का दिन है। बैलों के लिए भी बड़े महत्व का दिन है। प्राचीन समय से यह परम्परा रही है कि आज के दिन राजा अपने देश के विशिष्ट किसानों को राज दरबार में आमंत्रित करता था और उन्हें अगले वर्ष बुवाई के लिए विशेष प्रकार के बीज उपहार में देता था। लोगों में यह धारणा प्रचलित थी कि उन बीजों की बुवाई करने वाले किसान के धान्य-कोष्ठक कभी खाली नहीं रहते। यह इसका लौकिक दृष्टिकोण है। अक्षय तृतीया पर महाराष्ट्र के लोग नया व्यवसाय शुरू करते हैं, घर खरीदते हैं और महिलाएं सोना खरीदती हैं। लोग इस त्यौहार को परिवार के साथ मनाते हैं और महाराष्ट्रीयन पूरन पोली (गुड़ और दाल के मिश्रण से भरी चपाती) और आमरस (आम की एक मोटी प्यूरी) से बने नैवेद्य जैसे भोजन का भोग लगाकर देवी-देवताओं की पूजा करते हैं।

ओडिशा में, अक्षय तृतीया आगामी खरीफ सीजन के लिए चावल की बुवाई के शुभारंभ के दौरान मनाई जाती है। यह दिन अच्छी फसल के आशीर्वाद के लिए किसानों द्वारा धरती माता, बैलों और अन्य पारंपरिक कृषि उपकरणों और बीजों की पूजा के साथ शुरू होता है। जगन्नाथ मंदिर के रथ यात्रा उत्सव के लिए रथों का निर्माण भी इसी दिन पुरी में शुरू होता है। तेलुगू भाषी तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में यह त्यौहार समृद्धि और दान से जुड़ा है। सिंहचलम मंदिर में इस दिन विशेष उत्सव अनुष्ठान किए जाते हैं। मंदिर के मुख्य देवता को साल के बाकी दिनों में चंदन के लेप से ढका जाता है और केवल इसी दिन देवता पर लगे चंदन की परतें हटाई जाती हैं ताकि अंतर्निहित मूर्ति दिखाई दे। इस दिन वास्तविक रूप या निज रूप दर्शनम का प्रदर्शन होता है। लोकोत्तर दृष्टि से अक्षय तृतीया पर्व का संबंध जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभ के साथ जुड़ा हुआ है। तपस्या हमारी संस्कृति का मूल तत्व है, आधार तत्व है। कहा जाता है कि संसार की जितनी समस्याएं हैं तपस्या से उनका समाधान संभव है। संभवतः इसीलिए लोग विशेष प्रकार की तपस्याएं करते हैं और तपस्या के द्वारा संसार की आध्यात्मिक एवं भौतिक दोनों संपदाओं को हासिल करने का प्रयास करते हैं। जैन धर्म में वर्षीतप यानी एक वर्ष तक तपस्या करने वाले साधक इसदिन से तपस्या प्रारंभ करके इसी दिन सम्पन्न करते हैं। यह संसार से मोक्ष की मुस्कान, शरीर को तपाने और आत्मस्थ करने का अवसर है। अक्षय तृतीया तप, त्याग और संयम का प्रतीक पर्व है। इसका सम्बन्ध भगवान ऋषभदेव के युग और उनके कठोर तप से जुड़ा होने से वर्षीतप की परम्परा चली। यह ऋषभ की दीर्घ तपस्या के समापन का दिन है। अपने आदिदेव की स्मृति में जैन धर्म के विभिन्न सम्प्रदायों में असंख्य श्रावक-श्राविकाएं वर्षीतप करते हैं। अक्षय तृतीया का पावन पवित्र त्यौहार निश्चित रूप से धर्माराधना, त्याग, तपस्या आदि से पोषित ऐसे अक्षय बीजों को बोने का दिन है जिनसे समयान्तर पर प्राप्त होने वाली फसल न सिर्फ पारिवारिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय उत्साह को शतगुणित करने वाली होगी वरन अध्यात्म की ऐसी अविरल धारा को गतिमान करने वाली भी होगी जिससे सम्पूर्ण मानवता सिर्फ कुछ वर्षों तक नहीं पीढ़ियों तक स्नात होती रहेगी।

अक्षय तृतीया के पवित्र दिन पर हम सब संकल्पित बनें कि जो कुछ प्राप्त है उसे अक्षुण्ण रखते हुए इस अक्षय भंडार को शतगुणित करते रहें। यह त्यौहार हमारे लिए एक सीख बने, प्रेरणा बने और हम अपने आपको सर्वोतमुखी समृद्धि की दिशा में निरंतर गतिमान कर सकें। अच्छे संस्कारों का ग्रहण और गहरापन हमारे संस्कृति बने। तभी अक्षय तृतीया पर्व की सार्थकता होगी। सनातन धर्म में इसी दिन शादियों के भी अबूझ एवं स्वयंसिद्ध मुहूर्त रहता है और थोक में शादियां होती है। अक्षय तृतीया को आखा तीज भी कहा जाता है। अक्षय तृतीया हिन्दू पंचाग अनुसार वैशाख मास शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को कहते है। माना जाता है कि इस दिन जो भी कार्य किए जाते हैं वे पूरी तरह सफल होते हैं एवं शुभ कार्यों को अक्षय फल मिलता है।

# पहलगाम : संयम से हो प्रतिकार

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

दिलीप शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

जम्मू कश्मीर के सबसे लोकप्रिय पर्यटक स्थलों में से एक पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 28 लोगों को जान गंवानी पड़ी। यह केंद्र सरकार के लिए कई मोर्चों पर चुनौती के समान है। पहली चुनौती तो यही है कि हमले का तरीका यह संकेत देता है कि आतंकी और उनके समर्थक चाहते हैं कि पर्यटकों के दिलोदिमाग में भय पैदा कर दिया जाए। बीते कुछ वर्षों से जम्मू कश्मीर में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही थी।

2015 के 1.3 करोड़ से बढ़कर 2023 में वहां जाने वाले पर्यटकों की तादाद 2.1 करोड़ तक पहुंच गई थी। देश में यह भावना प्रबल हो चली थी कि कश्मीर में हालात सामान्य हो चुके हैं और अब घाटी में जाना सुरक्षित है। ऐसे में आतंकियों ने न केवल क्षेत्र की आर्थिक संभावनाओं को चोट पहुंचाई है बल्कि सामान्य होते हालात को भी एक बार फिर अस्तव्यस्त कर दिया है। यह इस क्षेत्र के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकता है और सरकार को कोशिश करनी चाहिए कि न्यूनतम क्षति हो।

सरकार के लिए दूसरी बड़ी चुनौती है हमले की समुचित जांच करना और इसके जिम्मेदारों को तलाश करना। इसके लिए भी इस क्षेत्र में खुफिया और सुरक्षा तंत्र की कमियों को दूर करना होगा। एक तरह से देखें तो यह दशकों पुरानी समस्या है। उदाहरण के लिए पिछले साल ही आतंकियों ने कई हमले किए। उन्होंने एक पर्यटक जोड़े पर गोलीबारी की, तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर हमला किया जिसमें नौ लोगों की जान चली गई क्योंकि बस खाई में गिर गई थी।

एक सुरंग निर्माण स्थल के करीब उन्होंने गोलीबारी करके छह प्रवासी श्रमिकों और एक चिकित्सक की हत्या कर दी थी। इससे भी चिंताजनक बात यह है कि आतंकियों ने अपने पारंपरिक दायरे का विस्तार घाटी से जम्मू तक कर लिया। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 2021 से 2024 के बीच जम्मू में 30 ऐसे हमले हुए जिनमें आतंकी शामिल थे। इनमें कई नागरिकों की मौत हुई।

कुछ घटनाओं के चलते पर्यटकों के उफान वाले सीजन में खतरे का आकलन बढ़ा हुआ होना चाहिए था। इनमें से कुछ अमेरिका के साथ हमारी रणनीतिक करीबी से जुड़ी हैं जिनसे पाकिस्तान नाखुश होगा। कनाडाई-अमेरिकी तहव्वुर राणा का अमेरिका द्वारा भारत प्रत्यर्पण भी ऐसा ही एक मामला है। भारत में उस पर 26/11 के आतंकी हमले लिए मुकदमा चलाया जाएगा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा को भी उकसावे की एक वजह माना जा सकता है, खासकर यह देखते हुए कि वह वॉशिंगटन में असाधारण रूप से ताकत रखते हैं।

इसके अलावा पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने कुछ ही दिन पहले कहा था कि कश्मीर उनके देश की 'गर्दन की नस' है। खुफिया एजेंसियों ने उनके बयान को आसन्न आतंकवादी हमले का संकेत माना। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत थी। आखिर में, सोशल मीडिया और मुख्य धारा के मीडिया के माध्यम से जनता की नाराजगी को महसूस किया जा सकता है लेकिन सरकार को हालात से निपटने में संयम और तार्किकता से काम लेना चाहिए।

ऐसी खबरें आईं कि आतंकियों ने लोगों की धार्मिक पहचान की जांच करने के बाद उन पर हमला किया। ऐसे में यह महत्त्वपूर्ण है कि सरकार किसी तरह का सांप्रदायिक तनाव नहीं भड़कने दे। देश में इस समय ऐसा कुछ नहीं होने देना चाहिए जिससे राज्य की शांति व्यवस्था नए सिरे से भंग हो जाए। हमले को लेकर विभिन्न मोर्चों पर नपीतुली प्रतिक्रिया देनी होगी। फिलहाल प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि क्षेत्र में हालात सामान्य किए जाएं और आतंकियों को जल्द से जल्द उनके अंजाम तक पहुंचाया जाए।

## आखर आखर झरे उजियार

# धर्म के मर्म को पहचानना जरूरी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

**ग्लोबल** वार्मिंग के असर से पृथ्वी के औसत तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। फलस्वरूप जन जीवन पर उसका दुष्प्रभाव दिखने लगा है। जलवायु की दशाओं में परिवर्तन प्राकृत भी हो सकता है और मानवकृत भी। औद्योगिक क्रांति की बदौलत कार्बन डाई ऑक्साइड गैसों का वायु मण्डल में आधिक्य हुआ है। यही कारण है कि वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन के खतरों से हमें सचेत करते रहें हैं। धरती के लोग एक तरफ जलवायु के खतरों का सामना करने के लिए विवश हैं तो दूसरी तरफ आतंकवाद, उग्रवाद और हिंसा जनित घटनाओं के परिणाम स्वरूप जनता असह्य त्रासदियां भोगती हैं। इससे सामान्य जन जीवन की शांति भंग हो जाती है। हाल ही, 22 अप्रैल को पहल गांव में हुए आतंकवादी हमलों ने पूरे देश को विचलित कर दिया है। इस आतंकी हमले से 26 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर पर्यटक शामिल थे।

क्यों होती है ऐसी घटनाएं?कौन है आतंकवाद के पीछे आतंकियों को वित्त पोषित कौन करता है? ये सवाल हैं जो चिंतन, अन्वेषण और तात्कालिक उपाय चाहते हैं। आज के परिप्रेक्ष्य में धर्म का मर्म भी पहचानना जरूरी हो गया है. धर्म का वास्तविक अर्थ है, जिसने सबको धारण किया है. धर्म वो धुरी है, जिसने चांद सूरज तारे, वृक्ष वल्लरी,मनुष्य और अनन्त प्राणियों के अस्तित्व को धारित किया है. धर्म कोई हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई धारणाओं अथवा विचारधाराओं से संबद्ध नहीं हैं। धर्म का अभिप्राय है, एक दूसरे के अस्तित्व का सम्मान और परस्पर संबन्धों का सुचारू निर्वाह। वसुधैव कुटुम्ब की सद्भावना भारतीय जीवन परम्पराओं का प्राण तत्व है।

गुरु नानक के जीवन का एक प्रसंग है, जो मनुष्य मनुष्य के अस्तित्वगत संबन्धों के प्रति सम्मान की देशना प्रदान करती है. देशाटन के दौरान नानक एक गांव में पहुँचे, जहां एक फकीर पहले से रहता था। उसे गाँव में नानक का आना अच्छा नहीं लगा। सौम्य संत नानक के आगमन से उसकी चौधराहट पर असर पड़ सकता है। उसे लगा कि एक जंगल में दो शेर कैसे रह सकते हैं ? उसे एक युक्ति सूझी। एक कटोरा दूध भर कर नानक के पास प्रतीकात्मक रूप से भिजवाया.एक प्रकार से यह उसका संदेश था।

नानक समझ गए। उन्होंने भी प्रतीक रूप में ही उत्तर भिजवाया। भरे कटोरे के ऊपर बेला का छोटा सा फूल रख कर वापस भिजवा दिया। यानी ये जतला दिया कि मैं फूल की तरह तुम्हारे भरे पूरे कटोरे में तैरता रहूंगा। मुझे कोई अलग स्थान नहीं चाहिए। फूल हल्का फुल्का होता है, किसी तरह बोझिल नहीं होता। आज की गलाकाट स्पर्धा के दौर में भी क्या पुष्प की तरह हम मुक्त भाव से हल्केपन के साथ अस्तित्व के प्रति सम्मान और स्वीकार भाव रख सकते हैं।

## सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

### सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

**सृष्टि रचना के तीन हेतु हैं**- 1. प्रकृति के नियंता पुरुष 2. जीवों का प्रारब्ध 3. काल ।

**दस प्रकार की सृष्टिः** छह प्रकार की प्राकृत, तीन प्रकार की वैकृत और दसवीं देवसर्ग सृष्टि है, जो प्राकृत और वैकृत दोनों प्रकार की ही।

**प्राकृत सृष्टि-**

1. **महतत्व** - सत्व रज तम इस त्रिगुणमयी प्रकृति में विषमता होना इसका स्वरूप है।
2. **अहंकार** -इससे पृथ्वी आदि पंचभूत, ज्ञानेन्द्रियां और कर्मेन्द्रियों की उत्पत्ति होती है।
3. **भूतसर्ग**- इसमें पंच महाभूतों को उत्पन्न करने वाला रूप रस गंध शब्द स्पर्श तन्मात्रा वर्ग रहता है।
4. **इन्द्रियां**- यह ज्ञान और क्रियाशक्ति से सम्पन्न होती है।
5. **सात्विक अहंकार**- इससे इन्द्रियों के अधिष्ठात्री देवता एवं मन उत्पन्न हुए।
6. **अविद्या**- यह जीवों की बुद्धि का आवरण और विक्षेप करने वाली है।

**वैकृत सृष्टि-**

7. **स्थावर वृक्षादि- ये छह प्रकार के हैं।**

**वनस्पति**- जो बिना मौर आए ही फलते हैं जैसे गूलर, बड़, पीपल आदि।

**औषधि**- जो फलों के पक जाने पर नष्ट हो जाते हैं जैसे धान, गेहूं, चना अदि। **क्रमशः**

## ओपिनियन

# बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता जरूरी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अमित बैजनाथ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

**आज वैश्विक औसत जीवन प्रत्याशा 73.4 वर्ष है, जिसके बढ़कर सौ साल होने की उम्मीद की जा सकती है। हालांकि जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के बावजूद अंतिम समय दीर्घकालिक बीमारी और चिंता में गुजर रहा है। इसे बेहतर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे।**

हाल ही में सऊदी अरब के रियाद में ग्लोबल हेल्थ स्पैन शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर वक्ताओं ने खुलकर चर्चा की। सम्मेलन में सबसे अहम बात बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता के रूप में उभरकर सामने आई। सम्मेलन में करीब दो हजार से अधिक वैज्ञानिक, उद्यमी, नीति निर्माता और विचारक एकत्रित हुए। उन्होंने बुजुर्ग होते समाज के भविष्य के समक्ष आने वाले महत्वपूर्ण प्रश्नों पर गहनता से चर्चा की। उनका कहना है कि दुनिया में स्वस्थ वृद्धावस्था के अप्रयुक्त अवसरों के साथ-साथ उभरते हस्तक्षेप, प्रौद्योगिकी, नीतिगत परिवर्तन और भविष्य के लिए आवश्यक निवेश पर खुलकर चर्चा की जानी चाहिए। सम्मेलन में यह बात भी सामने आई कि आज वैश्विक औसत जीवन प्रत्याशा 73.4 वर्ष है, जिसके बढ़कर सौ साल होने की उम्मीद की जा सकती है।

वक्ताओं ने कहा कि जीवन प्रत्याशा में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद हमारे जीवन के अंतिम वर्ष अक्सर दीर्घकालिक बीमारी में गुजर रहे हैं। उम्र बढ़ने के साथ कई पूर्वाग्रह और बुढ़ापे को सामाजिक और आर्थिक बोझ के रूप में पेश करने की कहानी सामने आ रही है। कोलंबिया विश्वविद्यालय में प्रोफेसर जॉन आर. बियर्ड ने कहा कि कामकाजी उम्र की आबादी में वृद्ध आश्रितों की संख्या का अनुपात नकारात्मक धारणाओं को मजबूत करता है और समाज में वृद्ध वयस्कों के सार्थक योगदान को नजरअंदाज करता है। अमेरिका और यूरोप में वृद्ध वयस्क भुगतान किए गए काम, स्वयं सेवा और देखभाल के माध्यम से सकल घरेलू उत्पाद का अनुमानित सात फीसदी योगदान करते हैं। उन्होंने कहा कि वृद्ध आबादी आर्थिक स्थिरता और नवाचार के लिए भी एक अप्रयुक्त शक्ति हो सकती है। अमेरिका में 50 से अधिक उम्र के उद्यमियों की संख्या साल 2007 के मुकाबले साल 2024 में दोगुनी हो गई है।

उन्होंने कहा कि लंबे समय तक जीने से हमें रिटायरमेंट शब्द से भी रिटायर होना पड़ सकता है। अनुमानित जीवनकाल शताब्दी के करीब पहुंचने के साथ हम उम्मीद कर सकते हैं कि हमारा कामकाजी जीवन अतिरिक्त 20-40 वर्षों तक बढ़ जाएगा। यह शिक्षा और काम के बारे में हमारी सोच को फिर से परिभाषित करेगा। वहीं कार्यबल में बने रहने के कारण अर्थशास्त्र से परे भी हैं। इस बात के बढ़ते प्रमाण हैं कि सेवानिवृत्ति की आयु के बाद काम करने से हृदय रोग और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम कम होता है। साथ ही मानसिक प्रगति और सामाजिक जुड़ाव भी मिलता है। उन्होंने कहा कि वृद्ध लोगों को समाज के मूल्यवान सदस्य के रूप में स्वीकार करने के लिए नकारात्मक रूढ़िवादिता को समाप्त करना होगा तथा लंबी आयु के लाभों के बारे में सार्वजनिक धारणा को व्यक्तियों, समाजों और अर्थव्यवस्था तक पहुंचाना होगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि विकसित देशों में स्वास्थ्य सेवा की लागत का बड़ा हिस्सा उम्र बढ़ने और उम्र से संबंधित बीमारियों से प्रेरित है। फिर भी उम्र बढ़ने और स्वास्थ्य अवधि विज्ञान को बहुत कम धन उपलब्ध है। अमेरिका अल्जाइमर रोग के इलाज पर सालाना लगभग 305 बिलियन डॉलर खर्च करता है। यह आंकड़ा 2050 तक 1.1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है। यूएस रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र का अनुमान है कि हृदय रोग और स्ट्रोक के कारण देश को स्वास्थ्य सेवा व्यय और उत्पादकता हानि के रूप में प्रतिवर्ष 363 बिलियन डॉलर का नुकसान होता है। मधुमेह के कारण अनुमानित वार्षिक स्वास्थ्य और आर्थिक बोझ 327 बिलियन डॉलर है, जबकि गठिया और संबंधित बीमारियों के कारण होने वाला खर्च 303 बिलियन डॉलर से अधिक है। वहीं देश वृद्धावस्था के लक्षणों के उपचार पर अरबों डॉलर खर्च करता है। अमेरिकी राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के वार्षिक अनुसंधान बजट का एक प्रतिशत से भी कम या 337 मिलियन डॉलर वृद्धावस्था के जीव विज्ञान को समझने में खर्च होता है।

## जागरूक जनता Selfie विद सिस्टर

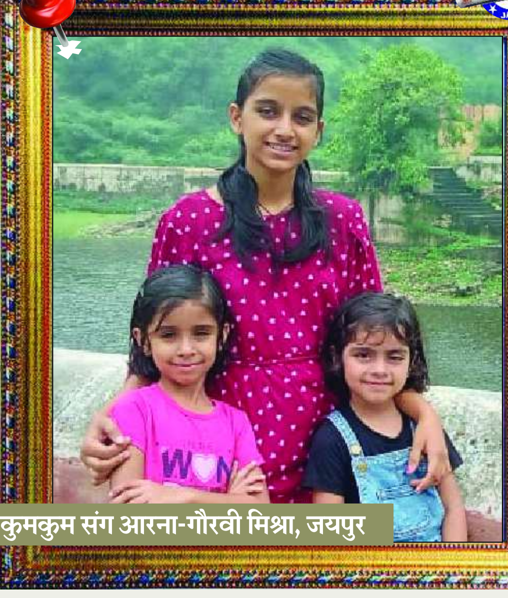

कुमकुम संग आरना-गौरवी मिश्रा, जयपुर

### हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

# पंचांग

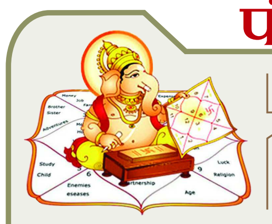

ज्योतिर्विद अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

**जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया**

## सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

**बुधवार, 30/04/2025**

**सूर्योदय :** 05:53 **सूर्यास्त :** 18:55 **चन्द्रोदय :** 07:33 **चन्द्रास्त :** 22:13 **शक सम्वत :** 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत :** 2082 **अमान्ता महीना :** वैशाख **पूर्णिमांत :** वैशाख **सूर्य राशि :** मेष **चन्द्र राशि :** वृषभ **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** तृतीया, 14:17 तक **वार :** बुधवार **द्रिक ऋतु :** ग्रीष्म **दिक-वैदिक अयन -** उत्तरायण

## नक्षत्र, योग, करण

**नक्षत्र :** रोहिणी, 16:21 तक — **प्रथम करण :** गारा, 14:17 तक

**योग :** शोभना, 12:03 तक — **द्वितिय करण :** वणिजा, 24:47 तक

## शुभ समय

| | |
|---|---|
| ब्रह्म मुहूर्त | 04:15 ए एम से |
| प्रातः सन्ध्या | 04:37 ए एम से |
| विजय मुहूर्त | 02:31 पी एम से |
| गोधूलि मुहूर्त | 06:55 पी एम से |
| सायाह्न सन्ध्या | 06:56 पी एम से |
| अमृत काल | 01:26 पी एम से |
| निशिता मुहूर्त | 11:57 पी एम से |
| सर्वार्थ सिद्धि योग | पूरे दिन |
| रवि योग | 04:18 पी एम से |

**निवास और शूल**

दिशा शूल : उत्तर में

राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में

नक्षत्र शूल : पश्चिम

भद्रावास : स्वर्ग

## चौघड़िया

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया |
|---|---|---|
| लाभ | : 05:52 - 07:30 | उद्वेग : 18:54 - 20:16 |
| अमृत | : 07:30 - 09:07 | शुभ : 20:16 - 21:38 |
| काल काल वेला | : 09:07 - 10:45 | अमृत : 21:38 - 23:00 |
| शुभ | : 10:45 - 12:23 | चर : 23:00 - 00:23 |
| रोग वार वेला | : 12:23 - 14:01 | रोग : 00:23 - 01:45 |
| उद्वेग | : 14:01 - 15:38 | काल : 01:45 - 03:07 |
| चर | : 15:38 - 17:16 | लाभ : 03:07 - 04:29 |
| लाभ | : 17:16 - 18:54 | उद्वेग : 04:29 - 05:51 |

*अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघड़िया माना जाता है एवं उद्वेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघड़िया माना जाता है।*

## आज तृतीया

**आज कौन सा कार्य करें**

तृतीया को यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है।

## बुधवार को क्या करें

**बुधवार** की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

**ये कार्य करें :-** सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

**यह कार्य न करें:-** उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

**नोट :** शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

# राशिफल

वैशाख, शुक्ल, तृतीया, 2082 बुधवार, 30 अप्रैल - 6 मई, 2025

**मेष** [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]

कम समय में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मध्यान पश्चात मित्र-परिजनों के साथ मनोरंजन के अवसर मिलेंगे धार्मिक कार्यो में भी उपस्थिति देंगे। उत्तम भोजन वाहन सुख मिलेगा।

**तुला** [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]

**संतान** से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

**वृषभ** [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]

क्रय-विक्रय के व्यापार से लाभ होगा विदेशी वस्तुओ के व्यापार में निवेश आगे के लिये लाभदायक रहेगा। प्रेम प्रसंगों में सम्बन्ध बिगड़ेंगे। संध्या बाद असंयमित दिनचर्या से थकान रहेगी।

**वृश्चिक** [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]

**नौकरी** पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

**मिथुन** [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]

आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे यात्रा में चोटादि का भय है सावधान रहें। सरकारी दस्तावेजो को संभाल कर रखें। संतान के कारण हानि हो सकती है। विदेशी अथवा दूर रहने वाले व्यक्ति से लाभ हो सकता है।

**धनु** [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]

नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

**कर्क** [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]

कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

**मकर** [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]

**परिजनों** के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

**सिंह** [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]

**व्यवहार** कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

**कुंभ** [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]

**नए** कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

**कन्या** [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]

**मित्र** परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

**मीन** [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]

**आर्थिक** लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

# प्रदेश में आमजन के लिए खुलेंगे 5000 अन्नपूर्णा भंडार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** राजस्थान राज्य खाद्य एवं आपूर्ति निगम के प्रबंध निदेशक राजेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में निगम मुख्यालय, जयपुर में अन्नपूर्णा भंडार योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में राज्य स्तरीय एफएमसीजी उत्पादक, वितरक, राशन डीलर एसोसिएशन और अन्य संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

वर्मा ने बताया कि राज्य बजट 2025-26 की घोषणा अनुसार, प्रदेशभर में उचित मूल्य दुकानदारों के माध्यम से 5000 अन्नपूर्णा भंडार खोले जाएंगे, जहां आमजन को गुणवत्तायुक्त मल्टी ब्रांड उपभोक्ता वस्तुएं सस्ती और प्रतिस्पर्धी दरों पर उपलब्ध करवाई जाएंगी। उत्पादों का चयन विशेष रूप से अल्प आय वर्ग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जाएगा, जिससे लोगों के खर्च में भी बचत होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होगा और उत्पादकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। किसी भी प्रकार की अनावश्यक बाध्यता थोपने से बचा जाएगा।

बैठक में ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर्स फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष श्री डिंपल कुमार शर्मा ने अपने सभी सुझाव प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए। शर्मा के सुझावों पर विभागीय अधिकारियों ने सहमति जताई। विशेष रूप से, उन्होंने प्रत्येक उचित मूल्य दुकानदार को ढाई लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाने तथा नाबार्ड, सिडबी या अन्य बैंकों से आसान ऋण सुविधा प्रदान करने का प्रस्ताव रखा, जिस पर विभाग ने सकारात्मक सहमति दी। महाप्रबंधक (वित्त) ने इस पर जल्द कार्ययोजना तैयार कर आगामी बैठक में रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आश्वासन दिया। वर्मा ने बताया कि जो डीलर अन्नपूर्णा भंडार खोलने के इच्छुक हैं, वे अपने क्षेत्र में प्रचलित उपभोक्ता वस्तुओं की सूची तैयार कर जिला रसद अधिकारी या जिला अध्यक्ष के माध्यम से निगम को भेज सकते हैं। बैठक में एफएमसीजी क्षेत्र से श्री राहुल चौधरी (ओसवाल), कुनाल सोनी (आईटीसी), देवेंद्र सिंह (रिलायंस), सचिन अग्रवाल (मेट्रो) सहित अनेक प्रतिष्ठित प्रतिनिधि तथा राशन डीलर एसोसिएशन से हेमराज मीणा एवं झालावाड़ से सुश्री श्वेता मेहरा भी उपस्थित रहीं। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के उपायुक्त ब्रह्मलाल जाट, निगम की महाप्रबंधक (विपणन) मिथलेश मीणा, महाप्रबंधक (वित्त) परमेश्वर सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

बैठक के अंत में वर्मा ने सभी प्रतिभागियों को भरोसा दिलाया कि सभी उचित सुझावों को कार्ययोजना में सम्मिलित कर अन्नपूर्णा भंडार योजना को सफल बनाया जाएगा।

## विधायक स्वामी बालमुकुन्दाचार्य ने पूछी बेढ़म की कुशलक्षेम

**जयपुर @ जागरूक जनता।** राजस्थान के गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के अस्वस्थ होने की जानकारी मिलने पर हवामहल विधायक हाथोज धाम स्वामी बालमुकुन्दाचार्य जी ने सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में उनकी कुशल क्षेम जानी और रक्षा सूत्र बांधकर शीघ्र स्वस्थ होने की बालाजी महाराज से कामना की।

## राजस्थान के 1200 युवा सैन्य प्रशिक्षण के लिए सफल घोषित

**जयपुर @ जागरूक जनता।** राजस्थान में सेना मुख्यालय भर्ती क्षेत्र, जयपुर में वर्ष 2024-25 के लिए भर्ती रैलियों के दूसरे चरण में राजस्थान से चयनित 1200 से अधिक उम्मीदवारों को सफल घोषित किया गया है। राजस्थान में सेना के जन सम्पर्क अधिकारी कर्नल अमिताभ शर्मा ने मंगलवार को बताया कि चयनित इन उम्मीदवारों का प्रशिक्षण एक मई से शुरू होगा। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही भर्ती क्षेत्र, राजस्थान से भारतीय सेना के लिए चयनित उम्मीदवारों को रेजिमेंटल सेंटर में प्रशिक्षण के लिए भेजा जा रहा है। वर्ष 2024-25 में राजस्थान से 3100 से अधिक उम्मीदवारों का भारतीय सेना के लिए चयन किया गया है।

## राष्ट्र निर्माण में नारी शक्ति का संकल्प

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** राजस्थान ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ ने समृद्धि शर्मा के नेतृत्व में आज एक ऐतिहासिक पहल करते हुए समाज के छात्रावास 'ब्रज किरण छात्रावास' में अपना कार्यालय स्थापित किया। साथ ही महिला प्रकोष्ठ ने छात्रावास के संपूर्ण प्रबंधन को अपने अधीन लेकर समाजसेवा के क्षेत्र में नई मिसाल पेश की। कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए नवनियुक्त पदाधिकारियों की घोषणा की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष समृद्धि शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कंचन शर्मा, कोषाध्यक्ष मंजरी गौड़, प्रमुख महामंत्री शालिनी शर्मा, नवनियुक्त वरिष्ठ उपाध्यक्ष संध्या पुरोहित, लीना शर्मा, प्रीति शर्मा, पूजा शर्मा, निकीता, नीतू व अन्य मातृशक्तियों ने ब्राह्मण संगठन व महिलाओं को सुदृढ़ करने के लिए अपने-अपने विचार रखें।

## परशुराम जयंती पर निकाली शोभायात्रा

**चौमूं @ जागरूक जनता।** नगर में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मानस परिवार द्वारा एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होकर गुज़री, जिसमें श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। शोभायात्रा के स्वागत में सर्व समाज की ओर से जगह-जगह पुष्प वर्षा, जल वितरण, केरी की छाछ व अन्य सेवाओं की व्यवस्था की गई। समूचा वातावरण भक्तिमय और उत्साह से भरा नजर आया।

## जलवायु विकास एवं नेतृत्व के सम्बन्ध में बैठक आयोजित

# राज्य सरकार जलवायु विकास एवं नेतृत्व के लिए प्रतिबद्ध-मीणा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में राजस्थान में जलवायु विकास एवं नेतृत्व के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन किया गया। डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि राजस्थान की जलवायु मुख्यतः शुष्क से उप-आद्र मानसूनी है, जिससे राज्य के पश्चिमी भाग में अत्यधिक शुष्क एवं मरूस्थलीय जलवायु है जबकि पूर्वी भाग में अपेक्षाकृत अधिक वर्षा और उप आद्र जलवायु है। यहां की जलवायु में गर्मी और सर्दी दोनो चरम तापमान पर होते हैं और वर्षा की मात्रा में भी अनियमितता होती है।

उन्होंने कहा कि राज्य में जलवायु परिवर्तन नीति बनाई हुई है जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना और इस दिशा में प्रभावी उपाय करना है। राजस्थान को भारत के सबसे संवेदनशील राज्यों में से एक के रूप में जाना जाता है, इसलिए जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और कम करने के लिए राज्य कार्य योजना पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। राजस्थान को भारत के चार सबसे संवेदनशील राज्यों में से एक के रूप में पहचाना गया है, जिसमें जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और कम करने की आवश्यकता है। राज्य सरकार जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के प्रति संवेदनशील है और इस दिशा में विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए राज्य सरकार द्वारा कई उपाय किये जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम व वर्षा में अप्रत्याक्षितता बढ़ रही है और तापमान में वृद्धि हो रही है, जिससे राज्य के कई हिस्सों में अत्यधिक गर्मी हो रही है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन एक गंभीर चुनौती है और राज्य सरकार इस दिशा में विकास और नेतृत्व के लिए प्रतिबद्ध है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए प्रभावी उपाय किये जा रहे हैं। राज्य सरकार इस दिशा में अहम काम कर रही है। राज्य पर्यावरण नीति के तहत मानव, स्वास्थ्य, कृषि पशुपालन, सौर ऊर्जा, उन्नत ऊर्जा, दक्षता और जलवायु परिवर्तन के लिए रणनीतिक क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राज्य की जलवायु नीति और कार्य योजना राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है और समयबद्ध तरीके से चरणबद्ध कार्यवाही पर केन्द्रित है, जिससे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम किया जा सके और राज्य के विकास को पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सके।

## मालपुरा गेट थाना पुलिस ने फरार आरोपियों को पकड़ा

**जयपुर @ जागरूक जनता।** मालपुरा गेट थाना पुलिस टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो फरार आजीवन कारावास भुगत रहे हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया। एसएचओ मुनींद्र सिंह के नेतृत्व में यह बड़ी कार्यवाही हुई है। गिरफ्तार आरोपी कैदी थे, जो सांगानेर के खुले शिविर से फरार हो गए थे। डीसीपी तेजस्वनी गौतम के निर्देशन में विशेष टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। फरार कैदियों की पहचान सद्दाम निवासी अजमेर और मोहनलाल उर्फ राजेश निवासी भीलवाड़ा के रूप में हुई।

# 14वां ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाज़ार चार से छह मई तक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** राजस्थान की राजधानी जयपुर में राज्य के पर्यटन विभाग, केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय एवं भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के संयुक्त तत्वावधान में 14वां ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाज़ार (जीआईटीबी) आगामी चार से छह मई तक आयोजित किया जाएगा।

पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक दलीप सिंह राठौड़ के अनुसार इस तीन दिवसीय जीआईटीबी का उद्घाटन सत्र टोंक रोड स्थित होटल अनन्तारा में आयोजित होगा जबकि मुख्य कार्यक्रम जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केन्द्र (जेईसीसी) में होंगे। इस आयोजन को होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान, इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन और राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स का भी सहयोग प्राप्त है।

## परशुराम जयंती पर शोभायात्रा का पुष्प वर्षा व जलपान से स्वागत

**जयपुर @ जागरूक जनता।** विप्र समाज आंधी द्वारा भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव पर विशाल कलश एवं शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा श्री रघुनाथ जी के मंदिर से विशाल ध्वज के साथ रवाना हुई जिसमें भगवान श्री परशुराम जी की आकर्षक मनमोहक झांकी सुसज्जित रथ में विराजित थी उक्त यात्रा में सैकड़ों की संख्या में विप्र महिलाएं सिर पर कलश लिए हुए मंगल गीत गाते ही चल रही थी साथ ही सैकड़ों विप्र पुरुष बालक बालिकाएं अपने हाथों में परशुराम जी का प्रतीक झंडे हाथ में लिए हुए बजे गाजे के जयकारों के साथ नृत्य करते हुए शामिल हुए। शोभा यात्राश्री श्री 1008 श्री रघुनाथ जी मंदिर से रवाना होकर दादू बाजार होते हुए मुख्य बस स्टैंड सड़क मार्ग से बावड़ी वाले हनुमान जी मंदिर परिसर में स्थित भगवान श्री परशुराम मंदिर में पहुंची। यात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा एवं जलपान से स्वागत किया गया। यात्रा के परशुराम मंदिर में पहुंचने के बाद भगवान श्री परशुराम जी की मूर्ति का पंच गव्य से अभिषेक कर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उपस्थित सभी विप्र जनों द्वारा भावपूर्ण पूजा अर्चना की गई तदोपरांत यात्रा में शामिल सभी भक्त जनों को मोदक प्रसादी वितरित की गई।

## पहलगाम आतंकी हमले के चलते सभी कार्यक्रम किए निरस्त

# गौड ब्राह्मण महासभा राजस्थान नहीं मनाएगा परशुराम जन्मोत्सव के कार्यक्रम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** आतंकवादी विरोधी दिवस के रूप में आतंकवादी के खिलाफ हवन पूजन किया जाएगा भगवान परशुराम जी ने आततांइयो का नाश किया था इस बार भी उनसे निवेदन किया जा रहा है सभी तरह के देश के दुश्मनों का नाश हो।

गौड ब्राह्मण महासभा राजस्थान युवा प्रदेश अध्यक्ष पंकज पचलंगिया एडवोकेट ने बताया की महासभा के द्वारा पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए शहीदों को श्रद्धांजलि स्वरूप भगवान परशुराम जन्मोत्सव के सभी कार्यक्रमों को रद्द करने का निर्णय किया गया। आतंकवादी हमला संपूर्ण देश पर हमला है जिसकी जितनी भर्त्सना व निंदा की जाए कम है देश में देश का नागरिक सुरक्षित नहीं है उन्हें धर्म पूछकर मारा जा रहा है। गौड ब्राह्मण महासभा ने यह तय किया है कि जब तक देश के हमलावर आतंकवादियो का सर्वनाश नहीं हो जाता एवं देश इस हमले के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं करता तब तक महासभा परशुराम जन्मोत्सव के सभी कार्यक्रमों को रद्द करते हुए प्रदेश जिला एवं तहसील स्तर पर किसी तरह का आयोजन नहीं करेगा। युवा प्रदेश अध्यक्ष पंकज पचलंगिया एडवोकेट ने बताया परशुराम जन्मोत्सव पर भगवान परशुराम जी की सादगी से पूजा अर्चना की जाएगी इसे उत्सव के रूप में नहीं मनाया जाएगा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष विजय हरितवाल ने बताया कि गौड़ ब्राह्मण महासभा ने यह भी निर्णय किया है कि परशुराम जन्मोत्सव पर हर घर परिंडे एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम रखा जाएगा जिसमें सभी प्रदेशवासियों को अपने घर में भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए परिंडे लगाना एवं देश के सम्मान में परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष में तिरंगा लगाने का निर्णय किया गया है गौड़ ब्राह्मण महासभा संपूर्ण राजस्थान में परिंडे एवं तिरंगों का वितरण सभी जिला एवं तहसील स्तर पर करेगा गौड़ ब्राह्मण महासभा ने सरकार से मांग की है कि आतंकी हमला करने वाले आतंकियों के खिलाफ ठोस से ठोस कार्रवाई कर सरकार देश पर हुए हमले का बदला ले एवं आतंकियों के आकाओं को पाकिस्तान में घुसकर मारा जाए सम्पूर्ण कश्मीर को भारत में विलय किया जाए महासभा ने सभी मृतकों श्रद्धांजलि व्यक्त की है एवं शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें यह असहनीय पीड़ा सहन करने की भगवान शक्ति प्रदान करें इसकी कामना की है।

महासभा के द्वारा परशुराम जन्मोत्सव के सभी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया है

## देश का हाल हो रहा है बेहाल

**जागरूक जनता @** मरुधरा किसान यूनियन के प्रदेस सलाहकार गोविन्द ठाकुर ने बताया कि आज देश के हर कोने मे अराजकता फैली हुई है कहीं

धर्म के नाम पर हिंसात्मक तो कहीं आतंकवाद के नाम पर, कहीं देश मे बलात्कार जेसे मामले तो कहीं लूट मार जेसे मामले, अपराध की सीमा काम होने की बजाय बढ़ती जा रही है वही देखे तो पिछले 5 सालो मे केंद्र मे भाजपा की सरकार होने के बावजूद भी कई राज्यों मे धर्म के नाम पर हिंसात्मक घटना खूब जोरों पर है, बात बलात्कार के मामलों की करे तो देश मे प्रति वर्ष 30000 का आकड़ा पार हो रहा है, क्या भाजपा सरकार को जो पूर्ण बहुमत से सत्ता मे है उन्हें देश मे इसे मामलों मे कठोर नियम लागू नहीं करने चाहिए, आम जनता से लेकर हमारे बोर्डर पर खड़े सिपाही तक सुरक्षित नहीं है, भाजपा सरकार को देश के हालात को देखते हुए हमारे देश के संविधान मे इन मामलों को लेकर कई संशोधन करने की जरूरत है, जनता को जो प्रधान मंत्री इस समय मिला है वो दोवारा नहीं मिल सकता, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी को इन मामलों पर अंकुश लगाने के लिए कानून मे बदलाव करना चाहिए। - **गोविन्द ठाकुर** प्रदेश सलाहकार मरुधरा किसान यूनियन

## जागरूक खबरें

### डॉ. कर्नाटक आईएयूए के नये अध्यक्ष

**उदयपुर @ जागरूक जनता।** महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, उदयपुर के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक को भारतीय कृषि विश्वविद्यालय संघ (आईएयूए) का अध्यक्ष बनाया गया है। संघ के कार्यकारी सचिव डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि डॉ. कर्नाटक पहले ही संघ के उपाध्यक्ष पद पर सुशोभित है, लेकिन अब नई कार्यकारी समिति के गठन तक आईएयूए के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य करेंगे। उनका कार्यकाल समिति के गठन तक या कुलपति एमपीयूएटी/ उपाध्यक्ष आईएयूए के रूप में कार्यकाल पूरा होने तक रहेगा। उल्लेखनीय है कि डॉ. कर्नाटक जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति का भी अतिरिक्त प्रभार देख रहे हैं। भारतीय कृषि विश्वविधालय संघ का मुख्यालय पूसा परिसर, नई दिल्ली में स्थित है। अबतक कामधेनु विश्वविद्यालय, गांधीनगर के कुलपति डॉ. एन. एच. केलावाला अध्यक्ष थे, जिनका कार्यकाल 25 अप्रैल 2025 को पूर्ण हो चुका है।

## लोकसभा अध्यक्ष ने ली पेयजल व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक

# नई पेयजल योजनाएं बनाने से पहले भविष्य की आवश्यकताओं का रखें विशेष ध्यान-बिरला

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**कोटा।** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जिला परिषद सभागार में आयोजित बैठक में कोटा-बूंदी लोकसभा क्षेत्र की विभिन्न पेयजल परियोजनाओं की प्रगति एवं पेयजल आपूर्ति व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में कहा कि कोटा संभाग में पानी की उचित उपलब्धता है। पानी के बेहतर प्रबंधन एवं वितरण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अधिकारी संवेदनशील होकर आमजन की जरूरत को ध्यान में रखते हुए ग्रीष्मकाल में पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पेयजल आपूर्ति के लिए कोई भी नई योजना बनाने से पहले उस क्षेत्र की भविष्य में बढ़ने वाली आबादी के अनुसार मांग तथा

पशुधन, माइनिंग सेक्टर एवं उद्योगों के लिए पानी की उपलब्धता का भी विशेष ध्यान रखा जाए।

बिरला ने कहा कि जिन क्षेत्रों में पानी की अधिक किल्लत है वहां सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर ही नए प्रस्ताव तैयार किए जाएं। उन्होंने समर कंटीजेंसी के तहत हैण्डपम्प एवं ट्यूबवेल के कार्य समय पर पूरे करने तथा टंकी या पाइप लाइन अधूरी होने जैसी शिकायतों का समाधान करते हुए पर्याप्त पेयजल आपूर्ति करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि चम्बल-भीलवाड़ा पेयजल परियोजना में एक एमएलडी पानी बढ़ाया जाए ताकि बरड़ क्षेत्र में पेयजल की किल्लत नहीं रहें। उन्होंने बूंदी शहर में सुचारू जलापूर्ति के लिए चम्बल-बूंदी परियोजना में भी एक एमएलडी पानी की बढ़ोतरी करने को कहा ताकि बूंदी शहर के साथ-साथ 19 गांवों के ग्रामीणों को भी गर्मी के मौसम में आसानी से पेयजल उपलब्ध हो सकें। साथ ही, इन्द्रगढ़-चाकन पेयजल परियोजना से निर्बाध और शुद्ध पेयजल आपूर्ति के समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए।

बैठक में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने अवैध कनेक्शन पर लगाम लगाने एवं पुलिस की मदद से अवैध कनेक्शनों को हटाने के निर्देश दिए। बैठक में पीएचईडी अभियंताओं ने जल जीवन मिशन के तहत किए गए पेयजल कनेक्शन, अमृत 2.0 शहरी पेयजल योजना के तहत होने वाले पेयजल सुधार कार्यों, बजट घोषणा 2025-26 के तहत स्वीकृत कार्यों की प्रगति तथा समर कंटीजेन्सी 2025 में कोटा संभाग के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वीकृत कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। साथ ही, कोटा शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में टेंकरों द्वारा किए जा रहे पेयजल परिवहन के बारे में भी जानकारी दी गई।

बैठक में ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, संयुक्त सचिव लोकसभा सचिवालय गौरव गोयल, संभागीय आयुक्त कोटा राजेन्द्र सिंह शेखावत, जिला कलक्टर कोटा डॉ. रविन्द्र गोस्वामी, जिला कलक्टर बूंदी अक्षय गोदारा, सहित अन्य जन प्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

## उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया आयुर्वेदिक औषधालय का लोकार्पण

# रींगस से उदयपुरवाटी सड़क का होगा नवीनीकरण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**झुंझुनू।** उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी आज झुंझुनू जिले के दौरे पर रहीं। उन्होने उदयपुरवाटी उपखंड के इंद्रपुरा गांव में धमाना शेखा सेवा संस्थान द्वारा निर्मित किशन कंवर डिप्टी जैतसिंह मेमोरियल आयुर्वेदिक औषधालय का लोकार्पण कर उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों एवं क्षेत्रवासियों को बधाई दी।

इसी क्रम में उपमुख्यमंत्री बी.के.एस.एस. महाविद्यालय द्वारा आयोजित बी.एड., डी.एल.एड. एवं फार्मेसी कॉलेज के सामूहिक वार्षिकोत्सव में पहुंची जहां उन्होने युवाओं का उत्साहवर्धन किया और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होने कहा कि बजट में झुंझुनू जिले को कई सौगाते मिली हैं और जरूरतों के मुताबिक

आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मुख्य सड़क से इंद्रपुरा तक 2 किलोमीटर सड़क और रींगस से उदयपुरवाटी वाया श्रीमाधोपुर - खण्डेला तक की सड़क का नवीनीकरण किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में आवागमन और विकास को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम में झुंझुनू विधायक राजेंद्र भाम्बू, भाजपा जिला अध्यक्ष बनवारी सैनी, भामाशाह विजेंद्र सिंह इंद्रपुरा, पूर्व कुलपति लोकेश शेखावत, अंगद मण्डावा, पूर्व आरपीएससी सदस्य शिवपाल सिंह नांगल, चेयरमैन रामनिवास सैनी, उदयपुरवाटी प्रधान माया गुर्जर, पूर्व विधायक मानसिंह किनसरिया, राघवेंद्र सिंह , छात्र-छात्राएं, ग्रामीणवासी, मातृशक्ति आदि उपस्थित रहे।

# आतंकवाद मुर्दाबाद-पाकिस्तान मुर्दाबाद कहने से किसके पेट में दर्द है, वो सामने आए-बालमुकुंदाचार्य

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**अलवर।** जौहरी बाजार की जामा मस्जिद की सीढ़ियों में पोस्टर लगाने के आरोपों से घिरे विधायक बालमुकुंदाचार्य ने अलवर में कहा कि संविधान में शिकायत का सभी को अधिकार है। मैं विरोध नहीं करूंगा, जांच होगी तो सब सामने आ जाएगा। मैंने जहां पोस्टर लगाए वो मस्जिद का स्थान नहीं है। बरामदा है उस पर कब्जा है और इस कब्जे वाली जगह पर बने फुटपाथ पर रखे पायदान पर मैंने स्टीकर लगाया है। बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि मंदिर, गुरुद्वारा सभी जगहों पर यह पोस्टर लगाए गए थे। लेकिन आतंकवाद मुर्दाबाद, पाकिस्तान मुर्दाबाद कहने से किसके पेट में दर्द है। मैं तो चाहता हूं वो सामने आए और बताए मुझे तकलीफ है। इस देश में रहकर पाक से प्रेम किसको है, वो जरा सामने आए। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण कि जयपुर शहर के दो विधायक तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। भेदभाव करते हैं। धारा 144 होने के बावजूद भीड़ इकट्ठा करके

माहौल् खराब करना चाहते हैं। यह समय आपस में लड़ने का नहीं है। बल्कि देशहित में सबको एक होकर पाकिस्तान के खिलाफ खड़ा होने कहा है। उन्होंने कहा कि जो सद्कर्म करता है लोगों पर दया-धर्म करता है, वो देवता है। जो पापाचार अत्याचार करते हैं, लोगों को प्रताड़ित करते हैं। उन्हें असुर नहीं कहेंगे तो क्या कहेंगे।

### पहलगाम घटना का बदला लेंगे पीएम

उन्होंने कहा कि आतंकवादियों को छुड़ाने के लिए कांग्रेस के वकील खड़े हुए। आतंकवादी को फांसी नहीं हो इसके लिए वकील खड़ा किए। ये आतंकवाद के साझेदार हैं। ये कहने के कुछ और, करने के कुछ और हैं। लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि तुम्हारे जमाने में बम फूटते थे। भारतीयों और सनातनियों को मारते थे। पीएम पर विश्वास है कि इस घटना का रगड़-रगड़कर बदला लिया जाएगा और इस बार इलाज का सीधा वीडियो आएगा।

### कांग्रेस को बताया मम्मी-बेटा, जीजी-जीजाजी की पार्टी

उन्होंने कांग्रेस को मम्मी-बेटा, जीजी-जीजाजी सहितचार जनों की पार्टी बताया और कहा कि इन्होंने अपना स्वार्थ सोचा। देश में घोटाले करवाए। आतंकवाद को सपोर्ट किया। इन्होंने 2014 से पहले जो काम किए थे, इसलिए जनता ने इन्हें डिलिट मारा है। मुस्लिम समाज भी भाजपा के साथ आया है, इससे इनके पेट में दर्द है।

## वर्ल्ड डांस डे पर जे के के में आयोजित हुआ कार्यक्रम नृत्यम्

# पंडित राजेंद्र गंगानी गुरु गिरधारी महाराज कला रत्न अवार्ड से सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** जवाहर कला केंद्र में विश्व नृत्य दिवस के उपलक्ष्य पर नृत्यम् कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अग्रवाल एजुकेशनल कल्चरल एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा जवाहर कला केंद्र के सहयोग से आयोजित हुआ। यह नृत्यम कार्यक्रम की दसवीं श्रृंखला थी, जिसमें कथक के जाने-माने नृत्य गुरु पंडित राजेंद्र गंगानी ने अपनी नृत्य प्रस्तुति दी और डॉ स्वाति अग्रवाल ने अपनी 40 शिष्याओं के साथ कथक की प्रस्तुत दी। इस प्रस्तुति में प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक कथक में आए बदलावों को दर्शाया गया।

भक्ति काल के दौरान कथक में भक्ति और आध्यात्मिकता की भावना को दिखाया गया, जबकि मुगल काल में कथक का दरबारी रूप प्रस्तुत किया गया। मुगल काल के अंतिम दौर में कथक में नए तत्वों का समावेश दिखाया गया। इसी प्रकार वाजिद अली शाह के समय जो ठुमरी का प्रचलन था, उसका प्रदर्शन एक ठुमरी की प्रस्तुति के साथ स्वाति ने अपने सशक्त अभिनय के साथ किया। इस प्रस्तुति में कथक के विकास की पूरी यात्रा को बहुत ही सुंदर और प्रभावशाली तरीके से दिखाया गया। इस प्रस्तुति में हरि हरण शरण भट्ट ने सितार, प्रवीण आर्य ने पखावज, रमेश मेवाल ने

हारमोनियम एवं गायन, जाकिर हुसैन ने सारंगी, मुजफ्फर रहमान ने तबला पर संगत की। कथावाचन- तत्विका, आरवी, याशिका, तेजांशि, शिर्षा, क्यारा, अविका, चारवी, भावना, शाइनी, दृष्टि, मिश्का, शिव पंचाक्षर स्तोत्र- हर्षिता, सलोनी, मंजीत, अयाना, दिविजा, कृष्ण वंदना- संस्कृति,श्रृष्टि, प्रसन्ना, हिमाद्री, इशिका, तराना- शांभवी, सिया, अवनी, हिया, ठुमरी- डा. स्वाति अग्रवाल, ग़ज़ल-अदिती, दुर्गेश, अक्षिता, जया, मानवी, आधुनिकाल काल का शुद्ध कथक- चारवी, भावना, शाइनी, दृष्टि और फ्यूजन - आराध्या, रित्विका, सौम्या, मिश्का, खुशी एवं अक्षिता ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात पंडित राजेंद्र गंगानी ने शिव स्तुति से अपनी नृत्य का प्रारंभ किया और कथक के जयपुर घराने के पारंपरिक बंदिशों का प्रस्तुतिकरण कर सभी का मन मोह लिया। अंत में उन्होंने भजन की एक भावपूर्ण प्रस्तुति दी। उनके साथ तबले पर फतेह सिंह गंगानी और हारमोनियम एवं गायन पर विनोद गंगानी ने प्रभावी संगत की।

### पंडित राजेंद्र गंगानी सम्मानित

विश्व नृत्य दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा " गुरु गिरधारी महाराज कला रत्न अवार्ड " प्रदान किया गया। यह अवार्ड प्रत्येक वर्ष कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले को प्रदान किया जाता है। इस वर्ष का पुरस्कार से पंडित राजेंद्र गंगानी को 51 हजार रुपये, ताम्रपात्र एवं शॉल प्रदान कर सम्मानित किया गया। मंच संचालन प्रणय भारद्वाज ने किया।

### अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्षः साइबर जागरूकता कार्यक्रम आज

**चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता।** सहकारी विभाग और चित्तौड़गढ़ अर्बन कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के संयुक्त तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में साइबर ठगी से बचाने के लिए जागरूकता के प्रयासों की आवश्यकता के मद्देनजर जिले की सहकारी संस्थाओं के लिए आज अपरान्ह 3 बजे साइबर जागरूकता कार्यक्रम आचार्य श्री विद्यासागर मांगलिक धाम, चंद्रलोक सिनेमा के पीछे चित्तौड़गढ़ के वातानुकूलित हाल में आयोजित किया जा रहा है। अर्बन बैंक चेयरमैन डा आई एम सेठिया के अनुसार विभागीय निर्देशों के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में संयुक्त रजिस्ट्रार सहकारिता गुंजन चोबे, उपरजिस्ट्रार सहकारिता संजय शर्मा, जिला प्रशासन के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अशोक लोढ़ा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियो का सानिध्य मिलेगा। अर्बन बैंक प्रबंध निदेशक वंदना वजीरानी के अनुसार जिले के सहकारी बैंक , क्रय विक्रय समिति, उपभोक्ता भंडार जीएसएस गृहनिर्माण समितियों सहित सभी सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।

# हज खिदमत कमेटी चित्तौड़गढ़ की जानिब से हाजियों का इस्तकबाल किया गया और हज की ट्रेनिंग दी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**चित्तौड़गढ़।** हज खिदमत कमेटी चित्तौड़गढ़ की जानिब से हाजियों का इस्तकबाल किया गया जिसमें हज खिदमत कमेटी चित्तौड़गढ़ के सदर सिब्तेन हैदर साहब ने बताया की सुबह 11 बजे हाफिज अब्दुरहमान साहब ने तिलावते कुरान और हाजी जिलानी मास्टर साहब ने हम्दो नात से प्रोग्राम की शुरुआत की और शेरे मेवाड़ मौलाना अब्दुल राशिद बरकाती साहब ने हज्जे बेतुल्ला पर बेहतरीन बयान किया। इस मौके पर सभी हुज्जाज ए इकराम और मेहमानों के लिए दावते आम का प्रोग्राम भी रखा गया।

इस अवसर पर सदर सिब्तेन हैदर ने चित्तौड़गढ़ हज ख़िदमत कमेटी की कार्यकारणी भी घोषित की जिसमे नायब सदर सीए सद्दाम हुसैन मंसूरी ,आरिफ मुलतानी, वाहिद मुल्तानी, सचिव कोसर रब्बानी, सह सचिव मोहम्मद इब्राहिम छीपा,कोषाध्यक्ष मोहसिन ख़ान और प्रवक्ता अज़हरुददीन को मनोनीत किया गया। आख़िर में सभी हुज्जाजे इकराम और मेहमानों का चित्तौड़गढ़ हज ख़िदमत कमेटी द्वारा इस्तेकबाल किया गया।

हज खिदमत कमेटी के हाजी अख्तर पटेल, अनीस अहमद, इमरान खान, जमील खान, मतलूब अजमेरी ने शिरकत की शहर काजी अब्दुल मुस्तुफा द्वारा हज खिदमत कमेटी के पिछले 10 वर्षों के सराहनीय कार्य के लिए कमेटी की हौंसला अफजाई की,और माला पहनाकर इस्तकबाल किया, इस अवसर पर चित्तौड़गढ़ शहर क़ाज़ी अब्दुल मुस्तुफ़ा साहब, हाफ़िज़ अब्दुरहमान साहब ओछड़ी, और दीगर औलमा किराम और समाज के मोतबीर हज़रात हाजी अब्दुल गनी शेख पूर्व अंजुमन सदर, इस्माईल साहब मंसूरी,सैयद इरफान अली,खिजर खान उर्फ गुड्डा मामू, फिरोज खान चंदेरिया, एडवोकेट आरिफ अली,सैयद मकसूद अली ,सैयद अमानत अली ,मोहम्मद शाहिद शैख़ , मोहम्मद हुसैन नीलगर , रशिद उर्फ कालू समाजसेवी सहित चित्तौड़गढ़ हज ख़िदमत कमेटी के तमाम मेंबरान आदि मौजूद थे।

## डॉ. नीतू सिंह ने किया आगरा निवासी 10वर्षीय बालक का सफल ईलाज

# उम्मीद जब किरण बन जाए...

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

**जयपुर।** 16 वर्षों के अनुभवी फिजियोथेरेपी चिकित्सक डॉ नीतू सिंह जो अपनी सेवाएं एपेक्स हॉस्पिटल एवं फिजियोहिल फिजियोथेरेपी और रिहैबिलिटेशन चिकित्सालय जगतपुरा में दे रहे हैं, उन्होंने ये साबित कर दिया है कि इंसान के लिए असंभव कुछ भी नहीं है।

उन्होंने जागरूक जनता को बताया कि 10 वर्षीय आगरा निवासी सेरेब्रल पाल्सी से ग्रसित तरुण त्यागी जिसके माता-पिता एक उम्मीद की किरण लेकर डॉ नीतू के पास इलाज कराने एपेक्स हॉस्पिटल जयपुर आए। उस समय तरुण बिना सहारे ढंग से बैठ भी नहीं पाता था और आज बिना सहारे अपने कदमों

पर चलने में समर्थ है। लगभग 3 वर्षों तक तरुण का फिजियोथेरेपी इलाज चला। उस समय वह स्कूल जाने की स्थिति में नहीं था परन्तु आज न केवल वह बिना सहारे चलने में सक्षम है बल्कि आज वह स्कूल जाने में भी सक्षम है। इस बात से यह प्रेरणा मिलती है कि आत्मविश्वासी रहे ओर निराश कभी न होए, सफलता कभी भी मिल सकती है। उचित इलाज करें ओर स्वयं भी मेहनत करिए। ईश्वर से प्रार्थना करेंगे कि आज जैसे हमारा बच्चा बिना सहारे चलने में समर्थ है इस तरह से बाकी बच्चे भी चल सके। हाल ही में एस एम एस अस्पताल में आयोजित सेमिनार में डॉ नीतू ने सेरेब्रल पाल्सी और उसके उपचार के विषय में टिप्पणी दी। ज्ञातव्य रहे डॉ नीतू सिंह जगतपुरा में स्थित फिजियोहिल फिजियोथेरेपी-रिहैबिलिटेशन एवं चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर में अपनी सेवाएं दे रही हैं। कई बच्चों का यह सफल इलाज हुआ है जो कि - ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, ए डी एच डी, डिले डेवलपमेंट, स्पीच प्रॉब्लम, लर्निंग डिसेबिलिटी, हाइपरेक्टिविटी, अटेंशन इश्यू, एंग्जाइटी, लैक ऑफ इंटरेक्शन, कम्युनिकेशन प्रॉब्लम, इत्यादि से ग्रसित है। इसके अलावा कमर दर्द, गर्दन दर्द, कंधा दर्द, फ्रोजन शोल्डर, साइटिका, माइग्रेन, पी आईवीडी, रियूमेटॉइड आर्थराइटिस, टी के आर, टी एच आर, लकवा, पोस्ट सर्जिकल रिहैबिलिटेशन, ए सी एल, का भी यहां सफल इलाज होता है ।

## अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल महिला सम्मेलन

# राष्ट्रीय संयोजिका सुशीला एवं पूनम जयपुरिया सांस्कृतिक मंत्री यवतमाल इकाई ने ऑनलाइन मोबाइल ऐप प्रशिक्षण किया प्रारंभ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**कोलकाता।** बीते दिनों कार्यक्रम का शुभारंभ ऑनलाइन व्हाट्सएप के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन, अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल, संस्थापक सचिव प्रदीप सराफ, राष्ट्रीय सचिव कृष्ण कन्हैया गोयल एवं संस्थापक कोषाध्यक्ष गणेश भरतिया, राष्ट्रीय सलाहकार पी डी अग्रवाल एवं सम्माननीय सदस्यों की उपस्थिति में प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

25 अप्रैल से 5 मई 2025 तक 10 दिवसीय कार्यक्रम में स्वरचित स्टीकर बनाना, व्हाट्सएप पर मीडिया दृश्यता, पॉल कैसे बनाएं, स्टोरेज क्लियर, लॉक चैट, मेटा ए आई की जानकारी, इमेज एडिट, पीडीएफ बनाना, कम्युनिटी ग्रुप इत्यादि की जानकारी से व्हाट्सएप ग्रुप में लगभग 250 सदस्य सुशीला फरमानिया राष्ट्रीय महिला संयोजिका की देखरेख में श्रीमती पूनम जयपुरिया यवतमाल इकाई सांस्कृतिक मंत्री के द्वारा प्रशिक्षण ग्रहण कर रहे हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार मित्तल ने अपने शुभकामना संदेश में कार्यक्रम के सफल आयोजन की बहुत बहुत बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं प्रेषित करते

हुए कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया के इस आधुनिक दौर में मोबाइल के सभी फीचर्स का ज्ञान होना हम सभी के लिए नितांत जरूरी हैं आज कल हम अपने दैनिक जीवन में अपने इष्ट मित्र परिवार के सदस्यों के साथ आसानी से संपर्क या संदेश जहां भी वह हों संपर्क करने का सबसे सहज माध्यम हैं वर्तमान समय में हमे समय के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना होगा नहीं तो हम काफी पीछे रह जाएंगे। मोबाइल प्रशिक्षण बहुत ही सुंदर प्रयास है जितनी प्रशंसा की जाए कम होगी। आने वाले दिनों में हम सभी मिलकर इस तरह के रोचक कार्य करते रहें।

पूनम जयपुरिया सांस्कृतिक मंत्री यवतमाल जिला इकाई ने उपस्थित सभी सम्माननीय पदाधिकारियों एवं सदस्यों का कार्यक्रम में तहेदिल से स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि मैने छूने की कोशिश की आकाश, मौके की थी मुझे तलाश, तो..आज वह मौका आ गया है, आए हम सभी मोबाइल प्रशिक्षण कार्यक्रम में आज की नई पीढ़ी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का प्रयास करते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़े सदस्यों ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए मोबाइल प्रशिक्षण कार्यक्रम की सार्थकता एवं इसके दैनिक जीवन में उपयोगी के साथ साथ ज्ञानवर्धन की बात कही और कार्यक्रम के आयोजन कर्ताओं का हृदय से धन्यवाद आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में अरुणा झंवर, आशा अग्रवाल, रेखा बंसल अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, जयंती अग्रवाल, कोमल लाठ, कंचन अग्रवाल, सुषमा मूंदड़ा, राखी अग्रवाल, ललिता अग्रवाल, हेमा जालान, मीरा अग्रवाल, पूजा सिंगला, कांता खेमका, छाया अग्रवाल, जयश्री, ममता हिम्मतसिंहका, किरण अग्रवाल, रितु अग्रवाल, ममता अग्रवाल 'स्नेह', रिचा मित्तल, मेघा अग्रवाल, कृष्णा, गुणवाला खेमका, संगीता पटवारी, रीना सुरेखा, उर्मिला डांगरा, ज्योति अग्रवाल, गिरीश जयपुरिया, सरिता अग्रवाल, मीना अग्रवाल, सीमा केडिया, डॉ. राजकुमारी सुरेश जैन, डॉ. सुरेश जैन, प्रीति पोद्दार रांची, मंजू टिबडेवाल संबलपुर, संध्या अग्रवाल, मंजू विहानी, नीना मोटानी, सुमन जैन, सरिता मोदी रांची, शीतल अग्रवाल, भारती अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, पुष्पा लोहिया, कविता सराफ, मंजू शारदा, मनीषा लाखोटिया, प्रीति खेमानी, पार्वती अग्रवाल ओडिशा, किरण अग्रवाल आमगांव, ऊषा अग्रवाल, बबीता अग्रवाल एवं निर्मला अग्रवाल इत्यादि ने कार्यक्रम आयोजकों की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

# नागौर-बीकानेर बनेगा 108 किमी. लंबा फोरलेन रोड

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**नागौर।** नागौर से जोधपुर के बीच फोरलेन की स्वीकृति के बाद अब नागौर से बीकानेर के बीच फोरलेन बनाने की तैयारी जारी है। बीकानेर रोड पर आए दिन हो रहे सड़क हादसों को देखते हुए एनएच करीब एक करोड़ की लागत से फोरलेन सड़क बनाने की डीपीआर तैयार कर रहा है। इसमें विशेष तौर से देशनोक आरओबी को यथावत रखते हुए दूसरा सिक्स लेन आरओबी बनाने पर भी मंथन चल रहा है। गौरतलब है कि गत दिनों देशनोक आरओबी पर हुए सड़क हादसे में कार में सवार एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई थी। उसके बाद जिला प्रशासन की ओर से करवाई गई जांच में सामने आया कि आरओबी की डिजायन ही गड़बड़ है। इसके कारण आए दिन देशनोक आरओबी पर हादसे होते हैं।

### इन स्थानों पर सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं

**विशेषज्ञों** के अनुसार चरकड़ा बायपास, कक्कू-सेंगाल चौराहा, नोखा गांव - हियादेसर चौराहा, नोखा गांव बायपास, भारतमाला रासीसर कट और देशनोक पुल के साथ श्रीबालाजी बायपास, अलाय व बाराणी के पास सर्वाधिक दुर्घटनाएं होती हैं। नोखा थाना क्षेत्र में 2024 में 62 सड़क दुर्घटनाएं हुई, जिनमें 40 जनों की मौत हो गई। वहीं जनवरी 2025 से फरवरी तक ही 19 दुर्घटनाओं में 13 जनों की मौत हो गई। गत दिनों बाराणी के पास कार पलटने से चार युवकों की मौत हुई तो अलाय के पास दो ट्रेलर की टक्कर के बाद आग लगने से एक चालक जिंदा चल गया। हाल ही गोगेलाव टोल के पास ट्रेलर की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दम्पती की मौत हो गई।

### डीपीआर का काम चल रहा है

**नागौर-बीकानेर** राष्ट्रीय राजमार्ग पर फोरलेन सड़क बनाने के लिए डीपीआर तैयार की जा रही है। हमारा प्रयास है कि जल्द से जल्द डीपीआर तैयार करके दिल्ली भेजें, ताकि बजट स्वीकृत हो। नागौर- गोगेलाव तक स्वीकृत फोरलेन सड़क का काम अधूरा छोड़ने व काफी प्रयासों के बावजूद काम शुरू नहीं करने पर ठेका निरस्त कर दिया है। अब ठेकेदार के खिलाफ जुर्माना लगाने सहित अन्य कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है।

**-केसाराम,** अधीक्षण अभियंता, पीडब्ल्यूडी एनएच, बीकानेर

# मोबाईल स्वास्थ्य शिविर आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**पिंडवाड़ा।** अल्ट्राटेक सीमेंट के इकाई प्रमुख सी.पी. एस चौहान के निर्देशन में अल्ट्राटेक कम्युनिटी वेलफरे फाउंडेशन द्वारा ग्राम पंचायत वरली के कालुम्बरी ग्राम के प्राथमिक विद्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है, जिसमे 61 बच्चो महिलाओं एवं पुरुषों द्वारा बुखार दाद खाज खुजली और अन्य बीमारियों ग्रस्त मरीजों के स्वास्थ्य की जांचकर निःशुल्क दवाईयां प्रदान की गई और 3 सिलिकोसिस बीमारी से ग्रस्त मरीजों की जांचकर सिरोही रेफर किया। साथ ही, साथ ग्राम विधार्थियों को गर्मी के मौसम में बीमारियों से कैसे बचाव किया जिससे स्वयं और अपने परिवार को भी कैसे स्वस्थ्य रख सकते है। इस विषय पर डॉक्टर प्रियंका आचार्य द्वारा विधार्थियों के साथ-साथ ग्रामवासियों को जागरूक किया गया। अल्ट्राटेक कम्युनिटी वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा किये गए स्वास्थ्य शिविर में स्कूल प्रधानाचार्य हरी सिंह का सहयोग रहा। ग्रामवासियों ने अल्ट्राटेक नाथ द्वारा सीमेंट लिमिटेड का आभार व्यक्त किया एवं इस प्रकार की सेवाएं ग्राम में निरंतर चलती रहे ऐसी आशा व्यक्त की।

# एनयूजेआई राष्ट्रीय कार्य समिति की दो दिवसीय बैठक संपन्न, गर्ग समेत 15 पत्रकार सम्मानित

**बीकानेर @ जागरूक जनता।** एनयूजेआई की राष्ट्रीय कार्य समिति की दो दिवसीय बैठक बीते दिनों संपन्न हुई। इस दौरान अनेक प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक के दूसरे दिन सेठ तोलाराम बाफना एकेडमी के सभागार में बीकानेर के 15 वरिष्ठ पत्रकारों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया। कार्यक्र म के मुख्य अतिथि केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन मेघवाल थे मगर वह अपरिहार्य कारणों से कार्यक्रम में नहीं आए मगर प्रोजेक्टर के माध्यम से वे सभागार में लाइव जुड़े और उन्होंने आयोजन सफल आयोजन के लिए एन यू जे आई के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश शर्मा, जार के प्रदेश अध्यक्ष श्रीबल्लभ मेघवाल, एन यू जे आई के राष्ट्रीय सचिव भवानी जोशी, व जार के बीकानेर जिला अध्यक्ष श्याम मारू को बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जार की तरफ से वरिष्ठ पत्रकार हरिओम गर्ग, केके गौड़, मोहन थानवी, उमेश सक्सेना, रमेश महर्षि, मोहम्मद अली पठान, संतोष जैन, मधु आचार्य आशावादी, प्रकाश पुगलिया, पन्नालाल नागल, बाबू सिंह कच्छावा, हनुमान चारण, मोहन पुगलिया, डॉक्टर ए जी भाटी सहित अनेक पत्रकारों को सम्मानित किया गया। इस दौरान बीकानेर जिले के अनेक पत्रकार मौजूद रहे।

अरावली ग्रीन वॉलः ड्रोन से वनों का विस्तार, कैमरों से निगरानी

# अरावली क्षेत्र के अलवर-उदयपुर में होगा सर्वाधिक वनीकरण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**अलवर।** गुजरात से दिल्ली तक बनने वाली अरावली ग्रीन वॉल के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए राजस्थान के लिए अलग से 'हरित अरावली' योजना तैयार की गई है। वन विभाग ने इसमें वर्ष 2028-29 तक के लक्ष्य भी तय किए हैं। कार्य योजना में पेड़ों की सुरक्षा और तकनीक का उपयोग करके वनों का विस्तार करने का प्रावधान किया है।

### ड्रोन से वनों का विस्तार, सीसीटीवी कैमरों से निगरानी

दुर्गम क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वनों का विस्तार तेज करने के लिए ड्रोन का उपयोग किया जाएगा। ड्रोन के जरिए बीज बोए जाएंगे। चालू वित्तीय वर्ष में 32241 हेक्टेयर क्षेत्र में वनीकरण और भूमि उपचार का कार्य प्रस्तावित है। राज्य सरकार ने बजट में हरित अरावली विकास परियोजना के लिए 250 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। अरावली क्षेत्र में सबसे ज्यादा अलवर और उदयपुर जिले में वनीकरण कार्य होगा।

### सुरक्षा के लिए लगाएंगे सौर ऊर्जा चलित बाड़

अत्याधिक संवेदनशील क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों को रोकने लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। आग से सुरक्षा के लिए फायर लाइन बनाई जाएगी। कंक्रीट दीवार, कांटेदार तार बाड़, चेन लिंक बाड़, झाड़ीदार बाड़ और सौर ऊर्जा चलित बाड़ लगाने पर विचार किया जा रहा है। ऊर्जा चलित बाड़ हल्का विद्युत प्रवाह उत्पन्न करती है और अवैध प्रवेश को रोकती है।

### वर्ष 2028-29 का लक्ष्य

| जिला | है. क्षेत्र | जिला | है. क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| अजमेर | 10,214 | अलवर | 13,250 |
| बांसवाड़ा | 9,804 | भरतपुर | 2,600 |
| भीलवाड़ा | 9,325 | चित्तौड़गढ़ | 9,314 |
| दौसा | 2,450 | डूंगरपुर | 7,990 |
| जयपुर | 13,420 | झुंझुनूं | 5,865 |
| करौली | 7,261 | नागौर | 8,230 |
| पाली | 3,713 | प्रतापगढ़ | 8,082 |
| राजसमंद | 4,997 | स.माधोपुर | 4,850 |
| सीकर | 4,867 | सिरोही | 4,132 |
| उदयपुर | 18,495 | -- | |

*कुल क्षेत्रफल हेक्टेयर में 1,48,859*

# खाटूश्यामजी मंदिर में विशेष श्रृंगार के चलते 1 मई को दर्शन नहीं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**खाटूश्यामजी।** यदि आप खाटूश्यामजी मंदिर में दर्शन करने जा रहे हैं तो आप एक मई को नहीं जाएं। इस दिन मंदिर शाम पांच बजे तक बंद रहेंगे। खाटूधाम में एक मई को बाबा श्याम के मंदिर के पट पूरे दिन बंद रहेंगे। श्री श्याम मंदिर कमेटी के अनुसार, इस दिन बाबा श्याम का भव्य तिलक श्रृंगार किया जाएगा। इसके चलते, विशेष श्रृंगार व सेवा पूजा की तैयारी के लिए 30 अप्रैल को रात 10 बजे से मंदिर के पट बंद कर दिए जाएंगे।

मंदिर कमेटी के कोषाध्यक्ष कालू सिंह चौहान ने बताया कि एक मई को बाबा श्याम को स्नान कराकर तिलक श्रृंगार की विधि संपन्न की जाएगी। इसके बाद विशेष सेवा-पूजा का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओं को सूचित किया है कि 1 मई को शाम 5 बजे तक मंदिर के पट बंद रहेंगे, और फिर शाम को पुनः खोल दिए जाएंगे।

कोषाध्यक्ष चौहान ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे 1 मई को खाटूधाम दर्शन के लिए मंदिर के पट खुलने के बाद ही पहुंचे, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। यह आयोजन बाबा श्याम के तिलक श्रृंगार की विशेष श्रद्धा और कला को समर्पित है।

# विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों व स्टॉप ने लगायें पक्षियों के परिंडे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**रामजी का गोल।** क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पीपराली में विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में पक्षियों के परिंडे लगायें। विद्यालय के पीईईओ अशोक कुमार बिश्नोई ने बताया कि वर्तमान में बढ़ते तापमान में बेजुबान पक्षियों को गर्मी से राहत देने के लिए विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने परिंडा लगाओ अभियान के तहत विद्यालय परिसर में परिंडे लगाए। विद्यालय के विद्यार्थियों से अपील करते हुए कहा कि आप बेजुबान पक्षियों को नियमित चुग्गा व पानी पिलाने की आदत डालें तथा सभी अपने अपने घरों में परिंडे लगाए। इस अवसर विद्यालय के स्टाफ देवाराम विश्नोई, डालुराम सारण, पुखराज, बीना शर्मा, खुमानसिंह नैण, राजुराम, सुमेर सिंह नैण, योगी, नरेंद्र कुमार, लिखमाराम भांभू,रामाराम चौधरी जेठाराम सहित विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थियों मौजूद रहें।

आईएएस बने बाड़मेर के सुखराम भूकर की असली कहानी

# भाई को आईएएस बनाने के लिए बड़े भाई ने चाय की होटल पर काम किया और पापा ने की खेती

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**रावतसर।** हाल में जारी हुए यूपीएससी परीक्षा परिणाम में बाड़मेर जिले के भीयाड निवासी सुखराम भूकर का 448वी रैंक के साथ चयन हुआ है, लेकिन सुखराम के चयन के पीछे उनके परिवारजनो ने संघर्ष और मेहनत की। इसी की बदौलत ही सुखराम का आइए बनने का सपना साकार हुआ। सुखराम की प्रारंभिक शिक्षा सरस्वती विद्या मंदिर भीयाड में ही हुई परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी,पापा उगराराम किसान है।

### पापा ने की खेती, भाई ने खोली होटल

दरअसल सुखराम के माता-पिता ने खेती किसानी और बड़े भाई ओमप्रकाश ने गांव में ही चाय की होटल खोलकर दिन-रात मेंहनत कर मजदूरी की वहीं एक भाई बजरंग ने अफ्रीका के कांगो में मजदूरी की ताकि सुखराम को वित्तिय मामले में कोई दिक्कत नहीं हो और पढ़ाई का पूरा खर्चा उठाया और मन में एक सपना था कि भाई को पढ़ाई के मामले में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। इसी का परिणाम है कि आज भाई ने आईएएस बनकर सपना पूरा किया।

### सोशल मीडिया से दूर रहें युवा-भूकर

नवचयनित आईएएस सुखराम भूकर ने बताया कि लक्ष्य कोई भी हो उसके प्रति समर्पण हो तो इसे देर सवेर हासिल किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे सोशल मीडिया से दूर रहें और गांव के लोगों और आमजन से अपील की कि अपने बच्चों का बाल विवाह न करके उन्हें पढ़ने का मौका दे।

### घर पर स्नेह मिलन समारोह आयोजित

आईएएस सुखराम भूकर के घर पर स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया जिसमें जिलेभर एवं आसपास के जिलों से हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

### स्वागत हुआ

आईएएस सुखराम भूकर का शनिवार को सरस्वती विद्या मंदिर भीयाड स्कूल प्रबंधन द्वारा स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर आईएएस मोहनलाल जाखड़, उधमी जोगेन्द्रसिह चौहान, दिलिपसिंह महेचा, भामाशाह नवलकिशोर गोदारा, शिक्षाविद् निम्बाराम जांगिड़, हरुराम डेलू, कर्नल धन्नाराम सियाग, पूनमाराम गोदारा, उगराराम भूकर सहित ग्रामीण और विधार्थी मौजूद रहे।

# चन्देरिया लेड जिंक स्मेल्टर जिला मेटल एवं माईन्स मजदूर संघ की कार्यकारिणी घोषित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**चित्तौड़गढ़।** चन्देरिया लेड जिंक स्मेल्टर के जिला मेटल एवं माईन्स मजदूर संघ द्वारा 17 फरवरी को हुए चुनाव में अध्यक्ष रणजीत सिंह भाटी ने अपनी कार्यकारिणी का गठन एवं मनोनित सदस्यों की घोषणा की।

जिसमें संरक्षक यूएम शंकरदास, सह संरक्षक घनश्याम सिंह राणावत, अध्यक्ष रणजीत सिंह भाटी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शान्तीलाल शर्मा एवं देवराज सिंह हाड़ा, उपाध्यक्ष रमेश चन्द्र वैष्णव, लक्ष्मण लाल सालवी, शोभालाल जाट, समुन्द्र सिंह चुण्डावत, महामंत्री एस.के. मौड़, महेंद्र सिंह भाटी, वरिष्ठ सचिव कानसिंह चौहान, भंवरसिंह चुण्डावत, सचिव प्रहलाद गवारिया, डाडम नागदा चन्द्रपाल सिंह चैहान, राधेश्याम माली, दीपक जायसवाल, अनिल गर्ग, विरेन्द्र सिंह राणावत, भरत उपाध्याय, कोषाध्यक्ष जी.एन. एस. चौहान, सहकोषाध्यक्ष बलवन्त सिंह राणावत, संगठन मंत्री नारायण सिंह राणावत, भेरुलाल पूर्बिया, जीवन नागदा, सन्दीप सिंह सिसोदिया, प्रहलाद शर्मा, पुष्पेन्द्रसिंह चौहान, कैलाश कुम्हार, राम विलास मीणा, प्रचार मंत्री भेरुसिंह राणावत, कैलाश जाट, राजेन्द्रसिंह हाडा, भुवनेश व्यास, सदस्य इशाक खान, सोहनलाल मेनारिया, जगदीश जाट, गिल्लुसिंह, दशरथ सिंह चैहान, जोरावर सिंह राणावत, राजेश शर्मा, भेरुदास वैष्णव, गोविन्द सेन, रामेश्वर जाट, भारतसिंह चुण्डावत, रामेश्वर अहीर, बबलू बंजारा, सोनु रायका, पुष्कर सेन, हिम्मतसिंह भाटी, भागीरथ मेनारिया, अर्जुन पोडीवाल, प्रकाश तेली, विष्णु घावरी, चेतनसिंह चौहान, शान्तीलाल सालवी, नारायण जोशी, मोहनलाल वैष्णव, रतनसिंह शक्तावत, इन्द्रसिंह भाटी, राम लाल माली, लोकेन्द्र सिंह राणावत, बद्रीलाल शर्मा, दीपक वैष्णव, एम.डी. अली एवं गोपाल वैष्णव को मनोनीत किया।

"ग्लोबल सीएसआर अवार्ड्स -2025"

# बेस्ट एनजीओ ऑफ द ईयर से नारायण सेवा संस्थान सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**उदयपुर।** दिव्यांगजनों और वंचित वर्गों के सशक्तिकरण हेतु समर्पित भारत की अग्रणी संस्था नारायण सेवा संस्थान को ग्लोबल सीएसआर एवं ईएसजी अवार्ड्स द्वारा "बेस्ट एनजीओ ऑफ द ईयर 2025" के प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह भव्य समारोह हयात रेजिडेंसी, नई दिल्ली में आयोजित हुआ, जिसमें 100 से अधिक प्रमुख कॉरपोरेट संगठनों ने भाग लिया। इन संगठनों में टाटा ग्रुप, रिलायंस फाउंडेशन, इंफोसिस फाउंडेशन, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, और आदित्य बिरला ग्रुप जैसी प्रतिष्ठित कंपनियाँ शामिल थीं। इस आयोजन ने कॉरपोरेट सेक्टर और सामाजिक संगठनों के बीच सहयोग की भावना को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया।

इस अवसर पर नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि समाज के बहुआयामी निर्माण में स्वयंसेवी संस्थाओं की भूमिका और

## घर मंगवाये जागरूक जनता

**सदस्यता फार्म** दिनांक ....................

**जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।**

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....................

पता : ....................

....................

फोन .................... पिन कोड

राशि (रुपए) .................... बैंक का नाम ....................

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

- सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....................रसीद क्रं. ....................

दिनांक .................... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

सरिस्का में बाघों के कुनबे में हुई बढ़ोतरी, टहला गेट पर वन कर्मचारियों ने मिठाई बांटी

# बाघिन एसटी-30 ने 3 शावकों को दिया जन्म

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

**अकबरपुर (अलवर)।** सरिस्का बाघ परियोजना में फिर खुशखबरी आई है। यहां बाघों के कुनबे में हुई बढ़ोतरी हो गई है। बाघिन एसटी-30 ने तीन शावकों को जन्म दिया है। सरिस्का में शवकों की गूंजी किलकारी से वनजीव प्रेमियों सहित क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। इसे लेकर टहला गेट पर वन कर्मचारियों ने मिठाई भी बांटी है।सीसीएफ संग्रामसिंह कटियार ने बताया कि सरिस्का टाइगर रिजर्व से वन्यजीव प्रेमियों के लिए यह बड़ी खुशखबरी है। रिजर्व में बाघिन एसटी-30 को तीन शावकों के साथ देखा गया है। उन्होंने बाघिन और उसके शावकों की यह पहली साइटिंग की पुष्टि की है। वन विभाग ने इसे महत्वपूर्ण खुशखबर व संरक्षण की उपलब्धि बताया है।

### टीम कर रही नियमित निगरानी

सीसीएफ कटियार ने बताया कि वन विभाग की टीम की ओर से अवलोकन व नियमित निगरानी की जा रही है। इसी दौरान बाघिन अपने शावकों के साथ नजर आई। लगभग दो माह से बाघिन को शावकों के साथ स्वस्थ रूप में देखा जा रहा है। शावक भी सक्रिय और चुस्त-दुरुस्त नजर आ रहे हैं। जिससे यह संकेत मिल रहे हैं कि वे अच्छी तरह से विकसित हो रहे हैं। टहला रेंज के भगानी क्षेत्र में किया प्रजननकटियार ने बताया कि बाघिन एसटी-30 ने रणथंभौर से 2023 में लाकर यहां सरिस्का की टहला रेंज के भगानी क्षेत्र में छोड़े गए नर बाघ के साथ प्रजनन किया था। अब उसके शावकों की पुष्टि होने से यह स्पष्ट होता है कि पुनःस्थापना कार्यक्रम सफल हो रहा है।

### निगरानी की और मजबूत

वन विभाग ने बाघिन और उसके शावकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निगरानी को और मजबूत कर दिया है। कैमरा ट्रैप्स और ग्राउंड पेट्रोलिंग की मदद से गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। साथ ही मानवीय हस्तक्षेप को न्यूनतम किया जा रहा है। इस घटना से सरिस्का रिजर्व में बाघों की आबादी को बढ़ावा मिलेगा और भारत के राष्ट्रीय पशुओं के संरक्षण के लिए चल रहे प्रयासों को बल मिलेगा। यह संरक्षण, आवास, सुरक्षा और सामुदायिक सहभागिता की सफलता का प्रमाण है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

# शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी के अनुसार आधुनिक बनाया जा रहा-मोदी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में आयोजित 'युग्म कॉन्क्लेव' में हिस्सा लिया। इस दौरान पीएम मोदी ने मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी पर निर्भर होता है, इसलिए ये जरूरी है कि हम अपने युवाओं के भविष्य के लिए और उनको भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करें। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में आगे कहा कि आज यहां सरकार, एकेडमी, साइंस और रिसर्च से जुड़े भिन्न-भिन्न क्षेत्र के लोग इतनी बड़ी संख्या में

उपस्थित हैं। इस एकजुटता को ही युग्म कहते हैं। एक ऐसा युग्म जिसमें विकसित भारत के फ्यूचर टेक से जुड़े स्टेकहोल्डर्स एक साथ जुड़े हैं, एक साथ जुटे हैं। मुझे विश्वास है, हम जो भारत की इनोवेशन कैपेसिटी और डीप टेक में भारत की भूमिका को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, उसे इस आयोजन से बल मिलेगा।

### हमने विकसित भारत लक्ष्य के लिए अगले 25 वर्षों की समयसीमा तय की

**पीएम** मोदी ने आगे कहा कि दीक्षा मंच के तहत वन नेशन, वन डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया गया है। ये इंफ्रास्ट्रक्चर एआई आधारित है। इसका उपयोग कई देशों में पाठ्यपुस्तकें तैयार करने में किया जा रहा है। वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन ने युवाओं को ये भरोसा दिया है कि सरकार उनकी जरूरतों को समझती है। आज इस योजना की वजह से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों तक विश्व स्तरीय शोध पत्रिकाओं तक पहुंचना आसान हो गया है। भारत के विश्वविद्यालय परिसर आज नए गतिशील केंद्र बन रहे हैं। ऐसे केंद्र, जहां युवा शक्ति सफलता के नवाचारों को बढ़ावा दे रही है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि भारतीय युवाओं को किसी भी तरह की बाधा का सामना न करना पड़े, प्रधानमंत्री अनुसंधान फेलोशिप की स्थापना की गई है। हमने विकसित भारत के लक्ष्य के लिए अगले 25 वर्षों की समयसीमा तय की है। हमारे पास समय सीमित है, लक्ष्य बड़े हैं।

### नई शिक्षा नीति इस बदलाव को बढ़ा रही है आगे

पीएम मोदी ने आगे कहा कि किसी भी देश का भविष्य उसके युवाओं पर निर्भर करता है, इसलिए उन्हें भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करना बहुत जरूरी है। इसमें शिक्षा की अहम भूमिका है। इसलिए हम 21वीं सदी की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बना रहे हैं। नई शिक्षा नीति इस बदलाव को आगे बढ़ा रही है। देश में नई शिक्षा नीति लाई गई है। इसे शिक्षा के वैश्विक मानक को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। नई शिक्षा नीति आने के बाद हम भारतीय एजुकेशन सिस्टम में बड़ा बदलाव भी देख रहे हैं। कक्षा 1 से 7 तक के लिए नई पाठ्यपुस्तकें तैयार हो चुकी हैं। पीएम ई-विद्या और दीक्षा प्लेटफॉर्म जैसी पहल पूरे देश में एकीकृत शिक्षा प्रणाली का निर्माण कर रही हैं। इस परिवर्तन का समर्थन करने के लिए एआई द्वारा संचालित एक मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचा बनाया जा रहा है।

### किसी भी देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी पर निर्भर

उन्होंने आगे कहा कि किसी भी देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी पर निर्भर होता है, इसलिए ये जरूरी है कि हम अपने युवाओं के भविष्य के लिए और उनको भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करें। इसमें बड़ी भूमिका देश के एजुकेशन सिस्टम की भी होती है, इसलिए हम देश के एजुकेशन सिस्टम को 21वीं सदी की जरूरतों के मुताबिक आधुनिक बना रहे हैं।

## भारत ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का एक्स अकाउंट किया ब्लॉक

**नई दिल्ली @ जागरूक जनता।** केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट ब्लॉक कर दिया। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। यह कार्रवाई ऐसे समय में की गई है, जब आसिफ के सार्वजनिक रूप से स्वीकार किए जाने के बाद पाक भूमिका 'वैश्विक आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले धूर्त देश' के रूप में उजागर हो गई है।

### जम्मू-कश्मीर में 48 पर्यटक स्थल बंद

**जम्मू @ जागरूक जनता।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंरी हमले के बाद पूरे प्रदेश में सुरक्षा बलों का आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन लगातार जारी है। सेना और पुलिस के जवान लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं और आतंकियों को चुन-चुन कर मारकर उनके ठिकानों को तबाह भी कर रहे हैं। सेना के इस अभियान के बीच जम्मू-कश्मीर सरकार ने बड़ा फैसला किया है। सरकार ने कश्मीर घाटी के 48 पर्यटक स्थलों को अस्थायी तौर पर बंद कर दिया है।

## 2025 के लिए 4 पद्म विभूषण, 10 पद्म भूषण और 57 पद्मश्री पुरस्कार किए प्रदान

**नई दिल्ली @ जागरूक जनता।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह-प्रथम में वर्ष 2025 के लिए 4 पद्म विभूषण, 10 पद्म भूषण और 57 पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किए। इस साल 139 व्यक्तियों का चयन पद्म पुरस्कारों के लिए किया गया था इनमें बिहार के दिवंगत पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, गायक पंकज उधास, सुजुकी मोटर के पूर्व प्रमुख ओसामु सुजुकी और शेखर कपूर आदि प्रमुख थे। इस साल 139 व्यक्तियों का चयन पद्म पुरस्कारों के लिए किया गया था। प्रथम चरण में 71 विभूतियों को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 के 71 पद्म पुरस्कार विजेताओं ने मंगलवार को राष्ट्रपति समर स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

## 60% भारतीय को नहीं पता क्या है AI? Google स्टडी में हुआ खुलासा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**नई दिल्ली।** इस समय पूरी दुनिया में AI यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की चर्चा है। हर रोज कोई न कोई कंपनी एआई चैटबॉट लॉन्च कर रही है। 2022 में ChatGPT के आने के बाद से एआई को लेकर अलग ही क्रेज देखने को मिला है। गूगल, एप्पल, अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी टेक कंपनियों ने अपने जेनरेटिव एआई बेस्ड टूल लॉन्च कर दिए। एआई के आने से आपके कई काम आसान हो गए हैं। जिस काम के लिए पहले घंटो लगते थे, उसे एआई महज कुछ सेकेंड्स में कर दे रहे हैं। एआई को लेकर गूगल और Kantar ने एक स्टडी की है, जिसमें चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

इस स्टडी में भाग लेने वाले 60 प्रतिशत भारतीयों को AI के बारे में कोई जानकारी नहीं है। क्या आप ये सोच सकते हैं कि जहां एआई को लेकर इतना काम किया जा रहा है। स्वदेशी एआई टूल को लेकर सरकार काम रही है, वहां एआई के बारे में आधे से ज्यादा लोगों को पता ही नहीं है। इस स्टडी में भाग लेने वाले 31 प्रतिशत लोगों ने माना है कि उन्होंने किसी भी AI टूल का इस्तेमाल नहीं किया है। हालांकि, 75% भारतीयों ने अपने डेली रूटीन वाले कामों के लिए एआई के इस्तेमाल में रूचि दिखाई है।

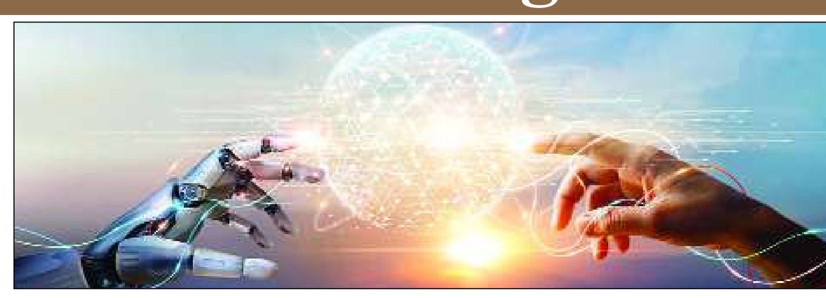

### AI ने बढ़ाया कॉन्फिडेंस

**गूगल** जेमिनी इस्तेमाल करने वाले 92% यूजर्स का मानना है कि एआई के इस्तेमाल से उनका कॉन्फिडेंस बढ़ गया है, जबकि 93 प्रतिशत लोगों का कहना है कि एआई ने उनकी प्रोडक्टिविटी को बढ़ा दी है। वहीं, 85 प्रतिशत लोगों ने एक्सेप्ट किया है कि एआई ने उनकी क्रिएटिवी को जगाने का काम किया है।

### 8000 लोगों ने स्टडी में लिया हिस्सा

Google और Kantar ने इस स्टडी में भारत के 18 शहरों के 8,000 लोगों को शामिल किया है। इसमें जेनरेटिव एआई के एडॉप्शन, उसके प्रभाव और भविष्य की संभावनाओं से जुड़े सवाल पूछे गए। इस स्टडी में हिस्सा लेने वाले 72% भारतीय ने अपनी प्रोडक्टिविटी को बढ़ाने के लिए एआई के इस्तेमाल की रूचि दिखाई है। वहीं, 77% कम्युनिकेशन और 73% लोगों ने एआई को इस्तेमाल करने में अपनी रूचि प्रकट की है। भारतीय यूजर्स की ये रूचि केवल प्रोफेशनल्स और एकेडमिक्स तक ही सीमित नहीं है। स्टडी में भाग लेने वाले 76% लोग चाहते हैं कि वो अपने रोजमर्रा के कामों के लिए एआई का इस्तेमाल करना चाहते हैं, ताकि समय की बचत हो सके। इसके अलावा 84 प्रतिशत लोगों का कहना है कि वो अपनी पर्सनल लाइफ में ज्यादा क्रिएटिव होने के लिए एआई का इस्तेमाल करना चाहेंगे। यह स्टडी Google के एआई टूल Gemini के अर्ली एडॉप्शन को लेकर की गई है।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

# गांधी सागर बांध से राणा प्रताप सागर बांध में आएगा जल

**सिंचाई और पेयजल के लिए बढ़ेगी जल उपलब्धता**
**गांधी सागर बांध से आगामी सप्ताह में होगा जल प्रवाह**

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** मध्यप्रदेश के गांधी सागर बांध से रावतभाटा स्थित राणा प्रताप सागर बांध में लगभग 892 मिलियन घन मीटर (एमसीयूएम) जल आएगा। राजस्थान सरकार ने मध्यप्रदेश सरकार की मांग पर उनकी महत्त्वाकांक्षी पंप स्टोरेज परियोजना के निर्माण के लिए गांधी सागर बांध का जलस्तर घटाने के परिप्रेक्ष्य में अहम निर्णय लिया है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा आगामी सप्ताह में ही गांधी सागर बांध से जल प्रवाह कार्य शुरू किए जाने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि इस सम्बंध में प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग, मध्यप्रदेश ने 29 मार्च, 2025 को जल संसाधन विभाग, राजस्थान को पत्र लिखा था। इसमें गांधी सागर बांध के जलस्तर को कम करने के लिए राजस्थान सरकार से अनुरोध किया गया था। वर्तमान में (25 अप्रैल, 2025 की स्थिति) गांधी सागर बांध का जलस्तर 395.003 मीटर है।

### राणा प्रताप सागर में ही गुंजाइश

**चंबल** नदी प्रणाली के तहत राजस्थान में राणा प्रताप सागर बांध, जवाहर सागर बांध और कोटा बैराज स्थित हैं। तीनों ही जगह जल भंडारण की क्षमता सीमित है। वर्तमान में उपलब्ध जलस्तर के अनुसार, राणा प्रताप सागर बांध में लगभग 892 एमसीयूएम, जवाहर सागर बांध में 10.76 एमसीयूएम और कोटा बैराज में 3.60 एमसीयूएम तक ही जल संग्रहित किया जा सकता है। ऐसे में गांधी सागर बांध से राणा प्रताप सागर बांध में उपलब्ध शेष भराव लगभग 892 एमसीयूएम की सीमा तक ही जल प्रवाहित किया जा सकेगा।

### ग्रीष्मकाल के दृष्टिगत रहेगा उपयोगी

**राजस्थान** सरकार ने व्यापक विश्लेषण एवं भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। राणा प्रताप सागर बांध में संग्रहित जल आगामी ग्रीष्मकाल में पेयजल, सिंचाई और औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने में उपयोगी साबित होगा। राणा प्रताप सागर बांध से विद्युत उत्पादन के लिए भी जल का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।

'**यह** निर्णय हमारी सरकार की दूरदर्शी नीति, जल आवश्यकताओं और परस्पर सहयोग की दृष्टि से लिया गया है। भविष्य में भी दोनों राज्यों के बीच जल संसाधनों के समुचित प्रबंधन और उपयोग के लिए समन्वय बना रहेगा।'

**- सुरेश सिंह रावत,** जल संसाधन मंत्री

# देवनानी से डॉ रमन सिंह की मुलाकात

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी से मंगलवार को सायं यहां सिविल लाइन स्थित राजकीय निवास पर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने मुलाकात की। इस शिष्टाचार मुलाकात के दौरान दोनों अध्यक्षों के मध्य दोनों राज्य के विधान मंडल के सत्र, समितियों, विधायी कार्य प्रणालियों और विधानसभा में किए गए नवाचारों पर चर्चा हुई। देवनानी ने डॉ रमन सिंह को राजस्थान विधानसभा की विक्रम संवत 2082 की डायरी, वर्ष 2025 का कैलेंडर और राजस्थान विधानसभा में नवाचारों के एक वर्ष की पुस्तक की प्रति भेंट की। देवनानी ने सिंह का पुष्प गुच्छ और राजस्थान विधानसभा का स्मृति चिन्ह भेंट कर तथा दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया।

### देश का किसान तथा कथित किसान नेता नरेश टिकैत का करें बहिष्कार-यादव

**जयपुर @ जागरूक जनता।** भाजपा किसान मोर्चा की ओर से तथा कथित किसान नेता नरेश टिकैत के राष्ट्रविरोधी बयान पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता की गई। भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री ओपी यादव ने बताया कि टिकैत का बयान देश के आतंकवादी रूपी घाव पर नमक छिड़कने जैसा है। टिकैत ने आतंकी हमले में जान गवाने वाले निर्दोष लोगों का अपमान किया है। उनके बयान से पाकिस्तान प्रेम झलक रहा है। भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री ओपी यादव ने कहा कि भारत सरकार ने कठोर निर्णय लेते हुए पाक के साथ राजनीतिक संबंध समाप्त कर दिए हैं।

# शिक्षा और शहरी विकास विभागों की वेबसाइट्स पर साइबर हमले के बाद सुरक्षा ऑडिट जारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** राजस्थान सरकार के शिक्षा विभाग और शहरी विकास एवं आवास विभाग की आधिकारिक वेबसाइट्स, जो राज्य डेटा सेंटर पर होस्ट की गई थीं, 28 अप्रैल, 2025 की रात लगभग 10:54 बजे साइबर हमले का शिकार हुईं। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की प्रारंभिक जांच में पाया गया कि इस हैकिंग के पीछे एक दुर्भावनापूर्ण आईपी एड्रेस की सक्रिय भूमिका थी। राहत की बात है कि इस घटना में किसी भी प्रकार की डेटा हानि नहीं हुई है। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की ओर से जारी वक्तव्य के अनुसार विभाग ने इस साइबर हमले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। अज्ञात हमलावरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। साथ ही प्रभावित वेबसाइट्स को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है और आगे के नुकसान को रोकने के विशेष सतर्कता बरती जा रही है। साथ ही, वेबसाइट्स से दुर्भावनापूर्ण कोड को हटा दिया गया है और उन्हें सुरक्षा ऑडिट के लिए भेजा गया है। इसके अलावा, पहचाने गए दुर्भावनापूर्ण आईपी एड्रेस को ब्लॉक कर दिया गया है। इन कदमों के साथ ही भारत सरकार की साइबर सुरक्षा एजेंसी CERT-In (कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम) को मामले की गहन जांच के लिए शामिल किया गया है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा ऑडिट पूर्ण होने के बाद प्रभावित वेबसाइट्स को 30 अप्रैल, 2025 तक पुनः सक्रिय कर दिया जाएगा। राजस्थान सरकार इस घटना की गंभीरता को समझते हुए डिजिटल सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है।

# म्यूज़िकल सफर इंडिया' ने एलजीबीटीक्यू समुदाय को समर्पित कर म्यूजिक मेलोडी के 10वें सीजन का किया सांस्कृतिक आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** राष्ट्रीय संस्था 'म्यूजिकल सफर इंडिया' द्वारा एक अनूठा सांस्कृतिक संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जो विशेष रूप से एलजीबीटीक्यू समुदाय को समर्पित था। इस कार्यक्रम में न केवल इस समुदाय के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, बल्कि बैंकॉक और कोलकाता के विभिन्न कलाकारों ने भी अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समारोह में चार चांद लगाए। यह आयोजन समावेशिता, प्रेम और सांस्कृतिक एकता का एक जीवंत उदाहरण बनकर उभरा। साइंस पार्क ऑडिटोरियम में आयोजित इस संगीत समारोह में, कत्थक,लोक नृत्य और बॉलीवुड संगीत के मिश्रण ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। एलजीबीटीक्यू समुदाय के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी कहानियों, भावनाओं और संघर्षों को व्यक्त किया, जिसने उपस्थित सभी लोगों के दिलों को छू लिया। कार्यक्रम में एलजीबीटीक्यू समुदाय के भाग लेने वाले कलाकारों में रितिका सिंह, अनन्या शर्मा, आरवी मारवाड़ी जिन्होंने अपनी कला के जरिए सामाजिक स्वीकार्यता और समानता का संदेश दिया। 'म्यूजिकल सफर इंडिया' की संस्थापक सपना पाठक व प्रोग्राम हेड विजेंद्र पाठक ने बताया कि "हमारा उद्देश्य संगीत के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को एक मंच प्रदान करना है, जहां वे अपनी पहचान को गर्व के साथ व्यक्त कर सकें। यह आयोजन एलजीबीटीक्यू समुदाय के प्रति समाज में जागरूकता और स्वीकार्यता बढ़ाने की दिशा में एक कदम है। कार्यक्रम की शुरूआत पहलगाँव में आतंकी हमले में शहीद हुए नागरिकों को श्रद्धांजलि देकर हुई। तत्पश्चात गणेश वंदना से कार्यक्रम को प्रारम्भ किया गया कार्यक्रम में बॉलीवुड गीतों की भी शानदार प्रस्तुति हुई, जिसमें सोनउद्दीन सरकार का बंगाली गीत मन मांझी रे, मनीष आर्य का दिल का सूना साज़ आदि गीतों को खूब सराहना मिली।

फाउन्डर सपना पाठक, प्रोग्राम हेड विजेन्द्र पाठक, सरंक्षक लकी कपूर, कॉर्डिनेटर रमिता, लॉजिस्टिक्स मैनेजर शम्स वसीम, एक्जिक्टिव सदस्य तनुजा व भानू बंसल ने उपस्थित अतिथियों और कलाकारों का स्वागत किया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले कलाकार, जुगल किशोर, विनोद गर्ग, डॉ. ममता शर्मा, अनुराग सिन्हा, स्वीटी, आयुषी कुलश्रेष्ठ, मुकुल कुलश्रेष्ठ, रघुवीर, नेहा शर्मा, चन्द्रकांता, मिलन जोशी, सत्य प्रकाश शर्मा, डी पी माथुर, मुकेश गुप्ता, नवीन कुमार, किशोर क्षत्रिय, नाजुक़ माखीजा, किशन मेघानी, ममता शर्मा आदि रहे। कार्यक्रम में उपस्थित दर्शकों ने इस पहल की सराहना की और इसे सामाजिक समावेशिता की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास बताया।

यह आयोजन न केवल संगीत प्रेमियों के लिए एक यादगार अनुभव रहा, बल्कि सामाजिक बदलाव और समानता के लिए एक मील का पत्थर भी साबित हुआ। 'म्यूजिकल सफर इंडिया' भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

**गोमाता सेवक समिति परिवार ने श्रीराम गौसेवा गोधाम समिति**

# कश्मीर के पहलगाम में वीरगति को प्राप्त हुए हिन्दूओं को दी वीराजंली एवं किया पाकिस्तान यमलोक नरक गमन अनुष्ठान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

**जयपुर।** गोमाता सेवक समिति परिवार एवं सभी गौसेवकों गौभक्तों ने वैशाख कृष्ण पक्ष अमावस्या पर 47 वां गोसेवा कार्यक्रम श्रीराम गौसेवा गोधाम समिति (गौशाला) गुढ़ा बेरसल बंधे के बालाजी जयपुर में आयोजित किया गया शुरुआत में गोपूत्र ज्योतिर्विद पंडित मानस संजय मिश्र ने सूर्य देव की साक्षी में भगवान् गणेश राधाकृष्ण पूजन, भारत के शिश मुकुट कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान के आतंकवादियों द्वारा निहत्थे मारे गए सभी परमवीर बलिदानी हिन्दुओं की आत्म शांति के लिए पितृ तर्पण अर्पण वीरांजली एवं पाकिस्तान आतंकवादियों के समूल खात्मे के लिए राष्टहित में यमलोक नरक गमन अनुष्ठान किया, एवं गोमाता पूजन के साथ सामुहिक हनुमान चालीसा का पाठ एवं दिव्य गोमाता कृपा आरती के बाद श्रीराम गौसेवा समिति के संचालक माधोसिंह, रामेश्वर यादव, बाबूलाल महेश कुमावत, एवं अशोक जैन का सम्मान दुपट्टा पहनाकर एवं नियमित गौसेवकों को दुपट्टा दक्षिणा प्रदान कर अभिनंदन सम्मान किया गया इसके

बाद में सभी गौसेवकों ने मिलकर गोमाता की पूजा एवं सेवा करके गुड़ केले व हरे चारे का भोग लगाकर गोशाला में वृक्षारोपण, पेड़ों पर पंछियों के लिए पानी के परिंडे व दाना पात्र लगायें गोशाला में सभी भक्तों ने सामुहिक वीरांजली अर्पित की इस अवसर पर गोपूत्र पंडित मानस संजय मिश्र एवं कमल प्रजापत ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गोसेवकों एवं श्रद्धालुओं को गोमाता को राष्टमाता देश को हिन्दू राष्ट एवं सनातन धर्म बोर्ड घोषित करवाने का अखण्ड संकल्प दिलाकर शासन प्रशासन से गौरक्षा की मांग की। इस अवसर पर गोमाता सेवक समिति परिवार की तरफ से श्रीराम गोधाम में सुखा चारा, 601 पुली हरा चारा, गुड़ के कार्टून,चार तगारी दो फावड़े, 5 पेड़ वृक्षारोपण, पंछीयो के लिए 11 दाना पात्र एवं परिणडे, कीड़ी नगरा एवं श्रीराम गोधाम के निर्माण के लिए 21 हजार रूपए का चैक प्रदान कर समापन पर प्रसादी ग्रहण कर उपस्थित सभी गोसेवकों एवं श्रद्धालुओं का आभार प्रकट किया।

जम्मू-कश्मीर में पहलगाम हमले को लेकर एक दिन का विशेष सत्र बुलाया गया है।

## पहलगाम अटैक पर सीएम उमर अब्दुल्ला का भावुक संबोधन, सुरक्षा मेरी जिम्मेदारी थी, मृतकों के परिजन से क्या कहूं, माफी के लिए शब्द नहीं

# 'किस मुंह से मांगूंगा पूर्ण राज्य का दर्जा'

स्पीच

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सोमवार को पहलगाम अटैक में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी गई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा- मेजबान होने के नाते मैं सुरक्षा के लिए जिम्मेदार था। इन लोगों के परिजन से मैं कैसे माफी मांगू। मेरे पास कोई शब्द नहीं है। उमर ने कहा- जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा लोगों की चुनी हुई हुकूमत की जिम्मेदारी नहीं है, लेकिन CM और टूरिज्म मिनिस्टर

होने के नाते मैंने इन्हें बुलाया था। मेजबान होने के नाते मेरी जिम्मेदारी थी कि इन्हें सुरक्षित भेजूं, नहीं भेज पाया।

>> (शेष पेज 06 पर)

### उमर बोले- नहीं सोचा था ऐसे हालात होंगे

उमर अब्दुल्ला ने कहा- यकीन नहीं होता कि चंद दिन पहले हम इस सदन में थे और बजट पर कई अन्य मुद्दों पर बहस चली। सदन स्थगित होते होते हम यह उम्मीद कर रहे थे कि श्रीनगर में दोबारा मुलाकात होगी। किसने सोचा था कि जम्मू-कश्मीर में ऐसे हालात बनेंगे कि दोबारा यहां मिलना पड़ेगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

**1000**

- भारतीय आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान से लौटे

**800**

- पाकिस्तानियों ने भारत छोड़ा

### उमर ने कहा- मेरे पास अल्फाज नहीं कैसे माफी मांगू

उमर अब्दुल्ला ने कहा- स्पीकर साहब उत्तर से लेकर दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक पूरा देश इस हमले की चपेट में आया है। यह पहला हमला नहीं था। हमने कई हमले होते हुए देखे हैं। हमने अमरनाथ यात्रा, डोडा के गांवों में हमले देखे, कश्मीरी पंडितों की बस्तियों पर हमले देखे, सिख बस्तियों पर हमले देखे। अब्दुल्ला ने कहा कि बीच का ऐसा वक्त आया था, बैसरन का हमला 21 साल के बाद इतना बड़ा हमला है। >> (शेष पेज 06 पर)

पहलगाम हमले के और वीडियो सामने आए

> आतंकी हमले का ये वीडियो एक पर्यटक ने एडवेंचर गेम के दौरान शूट किया था। इसमें फायरिंग की आवाज सुनाई दे रही हैं। लोग बचने के लिए भागते नजर आ रहे हैं। एक युवक गिरते दिख रहा है।

# पहलगाम हमले पर पार्टी नेता नहीं बोलें : कांग्रेस

### पार्टी लाइन से बाहर ना जाएं, भाजपा का आरोप- 7 नेता विवादित बयान दे चुके

विरोध

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पहलगाम आतंकी हमले पर पार्टी नेताओं के बयानों से किनारा किया है। कर्नाटक CM सिद्धारमैया, कांग्रेस नेता आरबी तिम्मापुर, विजय वडेट्टीवार, मणिशंकर अय्यर, तारिक हमीद कर्रा, सैफुद्दीन सोज और रॉबर्ट वाड्रा के दिए बयानों से कांग्रेस का विरोध

हो रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को कहा, 'पार्टी नेताओं के बयान उनकी निजी राय हैं। ये कांग्रेस पार्टी की लाइन नहीं है। मैं बिल्कुल स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि किसी ने इन नेताओं को ऐसा बोलने का अधिकार नहीं दिया है।'

> आतंकियों ने लोगों की आईडी (पहचान पत्र) देखकर उन्हें मारा, क्योंकि उन्हें (आतंकियों को) लगता है कि भारत में मुस्लिमों को दबाया जा रहा है। जब तक देश एकजुट और सेक्युलर नहीं होगा, तब तक हमारी कमजोरियों का फायदा हमारे दुश्मन देश उठाते रहेंगे।
>
> -रॉबर्ट वाड्रा, बिजनेसमैन

## पाकिस्तान की परमाणु धमकी पर ओवैसी का कड़ा जवाब, हमारा मिलिट्री बजट तुम्हारे देश से ज्यादा

# मासूमों की हत्या करोगे तो चुप नहीं बैठेंगे : ओवैसी

जनसभा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मुंबई। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को कहा- पाकिस्तान खुद को न्यूक्लियर पावर बताता है। उनके नेता परमाणु युद्ध की धमकी दे रहे हैं, लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि अगर किसी देश में घुसकर मासूम लोगों को मारेंगे तो कोई खामोश नहीं बैठने वाला है। जवाब मिलेगा।

### पाक मंत्री- हमारी मिसाइलों का निशाना भारत की तरफ

अब्बासी ने कहा कि पाकिस्तान के परमाणु हथियार सजाने के लिए नहीं रखे हैं, बल्कि हमने देशभर में परमाणु हथियार कई ठिकानों पर छिपा रखे हैं। हमारी मिसाइलों का निशाना भारत की तरफ है। ये बात भारत भी जानता है कि हमारे पास हथियार हैं, इसलिए वो हम पर हमला नहीं कर रहा है। भारत अपनी सुरक्षा में खामियों को मानने की बजाय पहलगाम हमले का इल्जाम पाकिस्तान पर लगा रहा है। इस्लामाबाद अपने खिलाफ उठाए गए किसी भी आर्थिक कदम के फैसले से मुकाबला करने के लिए तैयार है।

ओवैसी ने महाराष्ट्र के परभणी में एक जनसभा को संबोधित करते समय भारत को धमकाने वाले पाकिस्तानी नेताओं को जवाब दिया।

> *ओवैसी ने कहा- चाहे सरकार किसी की भी हो। इस तरह से आकर हमारे भारत की सरजमी पर हमला करना। धर्म पूछकर गोली मारना जायज नहीं है, तुमने आईएसआईएस जैसा काम किया है। पाकिस्तान भारत से समय में आधे घंटे नहीं बल्कि आधी सदी पीछे है। हमारा मिलिट्री बजट तुम्हारे देश के बजट से ज्यादा है।*

फास्ट न्यूज

### पहलगाम अटैक के बाद पुलवामा की ओर भागे आतंकी

नई दिल्ली। पहलगाम हमले के एक हफ्ते बाद अब धीरे-धीरे जांच एजेंसियों को आतंकी हमले की साजिश के सबूत मिलने लगे हैं। एजेंसियों की प्राइमरी इंवेस्टिगेशन जांच और खुफिया जानकारी के मुताबिक, हमले से पांच दिन पहले बैसरन एरिया में एक अज्ञात चीन में बना DJI ड्रोन उड़ता देखा गया था।

रैली भाषण

### सिद्धारमैया ने एएसपी को थप्पड़ मारने की कोशिश की

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को बेलगावी में एक रैली के दौरान असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस को थप्पड़ मारने की कोशिश की।

दरअसल, सिद्धरमैया जैसे ही भाषण देने के लिए उठे, भीड़ में मौजूद कुछ भाजपा कार्यकर्ता नारेबाजी करने लगे। उन्होंने CM को काले झंडे भी दिखाए।

इससे सिद्धारमैया नाराज हो गए और सुरक्षा में तैनात ASP नारायण भरमनी पर भड़क उठे। मामले का वीडियो भी वायरल हो रहा है। नाराज CM ने मंच से ही ASP से कहा- आप जो भी हैं, यहां आएं।

### पर्यावरण मंत्रालय ने केरल फोर लेन टनल प्रोजेक्ट टाला

तिरुवनंतपुरम। केरल के कोझिकोड और वायनाड जिले के बीच फोर लेन टनल प्रोजेक्ट टाला गया है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के एक्सपर्ट पैनल ने सोमवार को प्रोजेक्ट को परमिशन देने से इनकार कर दिया। मंत्रालय के कहा, 'यह टनल पश्चिमी घाटों और वायनाड में पिछले साल आए लैंडस्लाइड से प्रभावित इलाकों के पास से गुजरती है।

### श्रम एवं रोजगार मंत्रालय का रैपिडो के साथ समझौता

**नयी दिल्ली @ जागरूक जनता।** केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और बाइक राइड सेवा वाली कंपनी रैपिडो ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। मंत्रालय ने यहां बताया कि इस समझौते से एनसीएस पोर्टल पर लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में रोजगार संबंधों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

# 71 विभूतियों को मिले पद्म पुरस्कार

### राष्ट्रपति मुर्मू ने प्रदान किए पद्म पुरस्कार 2025, कई क्षेत्रों की हस्तियों को मिला सम्मान

समारोह

- क्रिकेटर आर अश्विन को पद्मश्री, हॉकी खिलाड़ी श्रीजेश को पद्म भूषण मिला कुवैत की योग टीचर शेखा अली पद्मश्री से सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में सोमवार को 2025 के लिए पद्म अवॉर्ड्स दिए। साल की पहली पद्म सेरेमनी में 71 हस्तियों को पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री से सम्मानित किया गया। जबकि बाकी हस्तियों को जल्द ही एक अलग समारोह में सम्मानित किया जाएगा। सोमवार को हुई सेरेमनी में 4 पद्म विभूषण, 10 पद्म भूषण और 57 पद्म श्री पुरस्कार दिए गए। कला के क्षेत्र में साउथ फिल्मों के एक्टर अजीत और फिल्म डायरेक्टर शेखर कपूर को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

> सरकार ने गणतंत्र दिवस से पहले 2025 के लिए 139 पद्म पुरस्कारों का ऐलान किया था। इनमें शारदा सिन्हा, ओसामु सुजुकी समेत 13 हस्तियों को मरणोपरांत पुरस्कार दिए जा रहे हैं।

### गोवा के स्वतंत्रता आंदोलन की नेत्री लीबिया भी सम्मानित

पद्म अवॉर्ड के लिए इस बार 30 गुमनाम हस्तियों को चुना गया है। उनमें 100 साल की लीबिया लोबो सरदेसाई भी शामिल हैं, जिन्होंने गोवा के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। लीबिया 1955 में पुर्तगाली शासन के खिलाफ लोगों को एकजुट करने के लिए एक जंगली इलाके में एक अंडर ग्राउंड रेडियो स्टेशन - वोज दा लिबरडेबे (स्वतंत्रता की आवाज) की को फाउंडर रही हैं।

# यूरोप में भारी ब्लैकआउट जनजीवन अस्त-व्यस्त

### फ्रांस-स्पेन-पुर्तगाल में बिजली गुल

बाधा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मैड्रिड/लिस्बन/पेरिस। यूरोपीय देश स्पेन, पुर्तगाल और फ्रांस में सोमवार को भारतीय समयानुसार शाम 4 बजे ब्लैकआउट हो गया है। इससे तीनों देशों के मेट्रो, एयरपोर्ट, रेल और मोबाइल नेटवर्क ठप हो गए। इस ब्लैकआउट से लाखों लोग बिना बिजली के रहने पर मजबूर है। यूरोन्यूज पुर्तगाल के मुताबिक, पुर्तगाल और स्पेन की राजधानियों में कई मेट्रो ट्रेन स्टेशन के बीच सुरंगों में फंस गई हैं। लोग इन मेट्रो में फंसे हुए हैं। पुर्तगाल पुलिस ने पुष्टि की है कि

- ब्लैकआउट के चलते स्पेन के मेट्रो स्टेशन में मेट्रो सर्विस बंद हो गई।

ट्रेनों का संचालन बंद है, पोर्टो और लिस्बन दोनों शहरों में मेट्रो सेवाएं बंद कर दी गई हैं और पूरे देश में ट्रैफिक सिग्नल भी प्रभावित हुए हैं। यूरोप की इलेक्ट्रिक ग्रिड में खराबी इस ब्लैकआउट की वजह हो सकती है।

# गर्मियों में रेल यात्रियों की सुविधाओं में बढोतरी, 48 ट्रेनों में 120 अतिरिक्त डिब्बे जोड़े

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

**जयपुर।** गर्मियों की छुट्टियों में ज्यादातर लोग घूमने निकलते हैं। ऐसे में हर साल गर्मियों के दिनों में ट्रेनों में यात्रियों की संख्या काफी बढ जाती है। यात्रीभार को देखते हुए ट्रेनों में अतिरिक्त डिब्बे जोड़े जाते हैं। साथ ही स्पेशल ट्रेनों का संचालन भी किया जाता है। इन दिनों उत्तर पश्चिम रेलवे ने यात्री की संख्या को देखते हुए 48 जोड़ी ट्रेनों में 120 अतिरिक्त डिब्बे जोड़े जा रहे है। पूरे मई महीने और जून के कुछ दिनों तक इन ट्रेनों में अतिरिक्त डिब्बे जुड़े रहेंगे। सीपीआरओ कैप्टन शशि किरण का कहना है यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे की ओर से समय समय पर ऐसी व्यवस्थाएं की जाती रही है।

1. गाडी संख्या 22471/22472, बीकानेर-दिल्ली सराय-बीकानेर रेलसेवा में बीकानेर से 1.05.25 से 31.05.25 तक और दिल्ली सराय से 3.05.25 से 2.06.25 तक 1 सैकण्ड एसी और 2 थर्ड एसी श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

2. गाडी संख्या 20473/20474, दिल्ली सराय-उदयपुर सिटी-दिल्ली सराय रेलसेवा में दिल्ली सराय से दिनांक 1.05.25 से 31.05.25 तक और उदयपुर सिटी से दिनांक 2.05.25 से 1.06.25 तक 1 सैकण्ड एसी और 2 थर्ड एसी श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

3. गाडी संख्या 14707/14708, बीकानेर-दादर-बीकानेर रेलसेवा में बीकानेर से दिनांक 1.05.25 से 31.05.25 तक और दादर से दिनांक 2.05.25 से 1.06.25 तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

4. गाडी संख्या 12991/12992, उदयपुर सिटी-जयपुर-उदयपुर सिटी रेलसेवा में 1.05.25 से 31.05.25 तक 2 द्वितीय कुर्सीयान और 1 साधारण श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

5. गाडी संख्या 22977/22978, जयपुर-जोधपुर-जयपुर रेलसेवा में दिनांक 1.05.25 व 2.05.25 को 1 सैकण्ड एसी और 1 फर्स्ट मय सैकण्ड एसी श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

6. गाडी संख्या 22977/22978, जयपुर-जोधपुर-जयपुर रेलसेवा में दिनांक 3.05.25 से 16.05.25 तक 1 सैकण्ड एसी और 1 थर्ड एसी श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

7. गाडी संख्या 19611/19614, अजमेर-अमृतसर-अजमेर रेलसेवा में अजमेर से दिनांक 1.05.25 से 31.05.25 तक और अमृतसर से दिनांक 2.05.25 से 1.06.25 तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

8. गाडी संख्या 19613/19612, अजमेर-अमृतसर-अजमेर रेलसेवा में अजमेर से दिनांक 1.05.25 से 31.05.25 तक और अमृतसर से दिनांक 2.05.25 से 1.06.25 तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

9. गाडी संख्या 19608/19607, मदार-कोलकाता-मदार एक्सप्रेस में मदार से दिनांक 5.05.25 से 26.05.25 तक और कोलकाता से दिनांक 8.05.25 से 29.05.25 तक 1 सैकण्ड एसी श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

10. गाडी संख्या 12065/12066, अजमेर-दिल्ली सराय रोहिल्ला-अजमेर जन शताब्दी रेलसेवा में दिनांक 2.05.25 से 31.05.25 तक 1 द्वितीय कुर्सीयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

11. गाडी संख्या 19701/19702, जयपुर-दिल्ली कैंट-जयपुर रेलसेवा में जयपुर से दिनांक 1.05.25 से 31.05.25 तक और दिल्ली कैंट से दिनांक 3.05.25 से 2.06.25 तक 01 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

12. गाडी संख्या 20409/20410, दिल्ली कैंट-बठिण्डा-दिल्ली कैंट रेलसेवा में 2.5.25 से 1.06.25 तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

13. गाडी संख्या 14801/14802, जोधपुर-इंदौर-जोधपुर रेलसेवा में जोधपुर से दिनांक 1.05.25 से 31.05.25 तक और इंदौर से दिनांक 4.05.25 से 3.06.25 तक 1 द्वितीय शयनयान और 1 साधारण श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

14. गाडी संख्या 12465/12466, इंदौर-भगत की कोठी -इंदौर रेलसेवा में इंदौर से 2.02.25 से 1.06.25 तक और भगत की कोठी से 3.05.25 से 2.06.25 तक 1 द्वितीय शयनयान और 1 साधारण श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

15. गाडी संख्या 09721/09722, जयपुर-उदयपुर सिटी-जयपुर रेलसेवा में जयपुर से दिनांक 1.05.25 से 31.05.25 तक और उदयपुर सिटी से दिनांक 2.05.25 से 1.06.25 तक 1 साधारण श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

16. गाडी संख्या 20987/20988, उदयपुर सिटी-असारवा- उदयपुर सिटी रेलसेवा में उदयपुर सिटी से 1.05.25 से 31.05.25 तक और असारवा से दिनांक 2.05.25 से 1.06.25 तक 1 साधारण श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

17. गाडी संख्या 14854/14853, जोधपुर-वाराणसी सिटी -जोधपुर रेलसेवा में जोधपुर से दिनांक 1.05.25 से 31.05.25 तक और वाराणसी सिटी से दिनांक 2.05.25 से 1.06.25 तक 1 थर्ड एसी श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

18. गाडी संख्या 14864/14863, जोधपुर-वाराणसी सिटी -जोधपुर रेलसेवा में जोधपुर से दिनांक 1.05.25 से 31.05.25 तक और वाराणसी सिटी से दिनांक 2.05.25 से 1.06.25 तक 1 थर्ड एसी श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

19. गाडी संख्या 14866/14865, जोधपुर-वाराणसी सिटी-जोधपुर रेलसेवा में जोधपुर से दिनांक 1.05.25 से 31.05.25 तक और वाराणसी सिटी से दिनांक 2.05.25 से 1.06.25 तक 1 थर्ड एसी श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

20. गाडी संख्या 22987/22988, अजमेर-आगराफोर्ट-अजमेर रेलसेवा में 1.05.25 से 31.5.25 तक 2 साधारण श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

21. गाडी संख्या 14807/14808, जोधपुर-दादर- जोधपुर रेलसेवा में जोधपुर से दिनांक 2.05.25 से 30.05.25 तक और दादर से दिनांक 3.05.25 से 31.05.25 तक 2 थर्ड एसी, 2 द्वितीय शयनयान, 1 थर्ड एसी इकोनोमी श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

22. गाडी संख्या 20483/20484, भगत की कोठी-दादर-भगत की कोठी रेलसेवा में भगत की कोठी से 1.05.25 से 29.05.25 तक और दादर से 2.05.25 से 30.05.25 तक 2 थर्ड एसी, 2 द्वितीय शयनयान, 1 थर्ड एसी इकोनोमी श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

23. गाडी संख्या 20485/20486, जोधपुर-साबरमती-जोधपुर रेलसेवा में जोधपुर से 1.05.25 से 31.05.25 तक और साबरमती से 3.05.25 से 2.06.25 तक 1 थर्ड एसी और 2 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

24. गाडी संख्या 20492/20491, साबरमती-जैसलमेर-साबरमती रेलसेवा में साबरमती से 1.05.25 से 31.05.25 तक और जैसलमेर से 2.05.25 से 1.06.25 तक 1 थर्ड एसी व 2 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

25. गाडी संख्या 14717/14718, बीकानेर-हरिद्वार-बीकानेर रेलसेवा में बीकानेर से 2.05.25 से 30.05.25 तक और हरिद्वार से 3.05.25 से 31.05.25 तक 1 थर्ड एसी और 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

26. गाडी संख्या 12988/12987, अजमेर-सियालदाह-अजमेर रेलसेवा में अजमेर से दिनांक 1.05.25 से 31.05.25 तक सियालदाह से 2.05.25 से 1.06.25 तक 1 फर्स्ट मय सैकण्ड एसी श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

27. गाडी संख्या 09621/09622, अजमेर-बान्द्रा टर्मिनस- अजमेर स्पेशल रेलसेवा में अजमेर से दिनांक 4.05.25 से 25.05.25 तक और बान्द्रा टर्मिनस से दिनांक 5.05.25 से 26.05.25 तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

28. गाडी संख्या 09653/09654, अजमेर-बान्द्रा टर्मिनस-अजमेर स्पेशल में अजमेर से दिनांक 3.05.25 से 31.05.25 तक और बान्द्रा टर्मिनस से 4.05.25 से 1.06.25 तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

29. गाडी संख्या 09627/09628, अजमेर-सोलापुर-अजमेर स्पेशल में अजमेर से दिनांक 7.05.25 से 28.05.25 तक और सोलापुर से दिनांक 8.05.25 से 29.05.25 तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

30. गाडी संख्या 14735/14736, श्रीगंगानगर-अम्बाला-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस रेलसेवा में दिनांक 1.05.25 से 31.05.25 तक 5 साधारण श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

31. गाडी संख्या 04705/04706, श्रीगंगानगर-जयपुर-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस रेलसेवा में दिनांक 1.05.25 से 31.05.25 तक 5 साधारण श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

32. गाडी संख्या 54754/54753, श्रीगंगानगर-बठिण्डा-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस रेलसेवा में दिनांक 1.05.25 से 31.05.25 तक 5 साधारण श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

33. गाडी संख्या 54756/54755, श्रीगंगानगर-बठिण्डा-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस रेलसेवा में दिनांक 1.05.25 से 31.05.25 तक 5 साधारण श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

34. गाडी संख्या 54766/54765, बठिण्डा-धुरी-बठिण्डा एक्सप्रेस रेलसेवा में 1.05.25 से 31.05.25 तक 5 साधारण श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की गई है।

35. गाडी संख्या 20475/20476, बीकानेर-पुणे-बीकानेर रेलसेवा में बीकानेर से दिनांक 5.05.25 से 26.05.25 तक और पुणे से दिनांक 6.05.25 से 27.05.25 तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

36. गाडी संख्या 04715/04716, बीकानेर-साईनगर शिरड़ी-बीकानेर साप्ताहिक स्पेशल रेल सेवा में बीकानेर से दिनांक 3.05.25 से 31.05.25 तक एवं साईनगर शिरड़ी से दिनांक 4.05.25 से 1.06.25 तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

37. गाडी संख्या 04711/04712, बीकानेर-बान्द्रा टर्मिनस -बीकानेर साप्ताहिक स्पेशल रेल सेवा में बीकानेर से दिनांक 7.05.25 से 28.05.25 तक और बान्द्रा टर्मिनस से दिनांक 8.05.25 से 29.05.25 तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

38. गाडी संख्या 22497/22498, श्रीगंगानगर-तिरुच्चिराप्पल्लि- श्रीगंगानगर एक्सप्रेस रेलसेवा श्रीगंगानगर से दिनांक 5.05.25 से 26.05.25 तक और तिरुच्चिराप्पल्लि से दिनांक 9.05.25 से 30.05.25 तक 1 थर्ड एसी श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

39. गाडी संख्या 20481/20482, भगत की कोठी- तिरुच्चिराप्पल्लि- भगत की कोठी एक्सप्रेस रेलसेवा भगत की कोठी से दिनांक 7.05.25 से 28.05.25 तक और तिरुच्चिराप्पल्लि से दिनांक 10.05.25 से 31.05.25 तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

40. गाडी संख्या 12985/12986, जयपुर-दिल्ली सराय- जयपुर रेलसेवा 1.5.25 से 31.5.25 तक 1 वातानुकूलित कुर्सीयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की गई है।

41. गाडी संख्या 12482/12481, श्रीगंगानगर-दिल्ली-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस रेलसेवा में श्रीगंगानगर से दिनांक 1.05.25 से 31.05.25 तक और दिल्ली से 2.05.25 से 1.06.25 तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

42. गाडी संख्या 14731/14732, दिल्ली-बठिंडा-दिल्ली एक्सप्रेस रेलसेवा में दिल्ली से दिनांक 1.05.25 से 31.05.25 तक और बठिण्डा से दिनांक 2.05.25 से 1.06.25 तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

43. गाडी संख्या 19617/19618, मदार-रेवाड़ी-मदार रेलसेवा में दिनांक 1.05.25 से 31.05.25 तक 5 द्वितीय साधारण श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

44. गाडी संख्या 19620/19619, रेवाड़ी-फुलेरा-रेवाडी रेलसेवा में 1.05.25 से 31.05.25 तक 5 साधारण श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

45. गाडी संख्या 59632/59631, रेवाड़ी-हिसार-रेवाडी रेलसेवा 1.05.25 से 31.05.25 तक 5 साधारण श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

46. गाडी संख्या 19622/19621, रेवाड़ी-फुलेरा-रेवाडी रेलसेवा में 1.05.25 से 31.05.25 तक 5 साधारण श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

47. गाडी संख्या 59630/59629, फुलेरा-जयपुर-फुलेरा रेलसेवा में 1.05.25 से 31.05.25 तक 5 साधारण श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

48. गाडी संख्या 09635/09636, जयपुर-रेवाड़ी-जयपुर रेलसेवा में 1.05.25 से 31.05.25 तक 5 साधारण श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।